राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरूवार 03 जुलाई 2025 वर्ष-8,अंक-134 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

प्रधानमंत्री मोदी पांच देशों की यात्रा पर रवाना : वैश्विक साझेदारी को मिलेगी नई दिशा

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को घाना की राजधानी अकरा के लिए रवाना हुए, जिससे उनकी पांच देशों की महत्वपूर्ण विदेश यात्रा की शुरुआत हुई। यह दौरा भारत की वैश्विक कूटनीति को नई दिशा देने और ग्लोबल साउथ तथा अटलांटिक के दोनों किनारों पर साझेदारी को मजबूत करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। प्रधानमंत्री की इस यात्रा में घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया का दौरा शामिल है। उन्होंने इन सभी देशों को भारत की विदेश नीति के लिए अहम साझेदार बताया है, जिनसे ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और बहुपक्षीय सहयोग के गहरे रिश्ते जुड़े हुए हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने रवाना होने से पहले अपने बयान में कहा कि वह घाना के राष्ट्रपति जॉन ड्रामानी महामा के निमंत्रण पर 2 और 3 जुलाई को घाना का दौरा करेंगे। उन्होंने घाना को ग्लोबल साउथ में एक मूल्यवान साझेदार बताया, जो अफ्रीकी संघ और पश्चिम अफ्रीकी राज्यों के आर्थिक समुदाय (इकोवास) में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने निवेश, ऊर्जा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और विकास साझेदारी जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाने की उम्मीद जताई और कहा कि घाना की संसद को संबोधित करना उनके लिए सम्मान की बात होगी। इसके बाद प्रधानमंत्री 3 और 4 जुलाई को त्रिनिदाद और टोबैगो जाएंगे। उन्होंने इस देश को भारत के साथ गहरे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों से जुड़ा बताया। पीएम मोदी ने उल्लेख किया कि भारतीय समुदाय लगभग 180 साल पहले पहली बार वहां पहुंचा था और यह दौरा पुश्तैनी रिश्तों को नया जीवन देने का अवसर होगा। उन्होंने राष्ट्रपति क्रिस्टीन कार्ला कंगालू और प्रधानमंत्री कमला परसाद-बिसेसर से मुलाकात का भी कार्यक्रम तय किया है।

त्रिनिदाद और टोबैगो के बाद प्रधानमंत्री मोदी अर्जेंटीना के लिए रवाना होंगे। यह दौरा 57 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री का पहला द्विपक्षीय दौरा होगा। अर्जेंटीना को उन्होंने लैटिन अमेरिका में एक प्रमुख आर्थिक साझेदार और जी20 में भारत का करीबी सहयोगी बताया। उन्होंने कहा कि वह राष्ट्रपति जेवियर माइली से फिर मुलाकात करेंगे और कृषि, महत्वपूर्ण खनिज, ऊर्जा, व्यापार, पर्यटन, प्रौद्योगिकी और निवेश जैसे क्षेत्रों में पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग को आगे बढ़ाएंगे।

180 साल पहले जिस देश में मजदूर बनकर गए भारतीय ग्रीमाण ....उस देश पहुंच रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जुलाई के पहले सप्ताह में आठ दिनों में 5 देशों की यात्रा पर जा रहे है। इसमें 3 और 4 जुलाई के लिए वे त्रिनिदाद और टोबैगो की ऐतिहासिक यात्रा पर रवाना हो रहे है। यह किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री की 1999 के बाद पहली द्विपक्षीय यात्रा होगी। खुद पीएम मोदी की इस देश में यह पहली आधिकारिक यात्रा होगी। पीएम मोदी का कैरेबियाई देश का दौरा इसलिए भी कई मायनों में अहम है, क्योंकि 180 साल पहले भारतीयों ने समुद्री रास्ते से पहली बार इस धरती पर कदम रखा था। पीएम मोदी के दौरे को लेकर प्रवासी भारतीयों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। विदेश मंत्रालय में सचिव नीना मल्होत्रा ने बताया कि इस दौरे के दौरान पीएम मोदी त्रिनिदाद और टोबैगो की राष्ट्रपति क्रिस्टीन कार्ला कांगालू और प्रधानमंत्री कमला पर्साड-बिसेसर से मिलने वाले है। वे देश की संसद के संयुक्त सत्र को भी संबोधित करने वाले है। इस ऐतिहासिक यात्रा के दौरान भारतीय समुदाय के साथ संवाद का भी आयोजन होगा। इस देश की कुल जनसंख्या का लगभग 45 प्रतिशत हिस्सा भारतीयों का है। करीब 180 साल पहले 30 मई 1845 को भारत से रवाना हुए फतेह-अल-रज़ाक नामक जहाज ने त्रिनिदाद और टोबैगो के तट पर 225 भारतीय गिरमिटिया मजदूरों को उतारा था। भारतीयों का इस देश में यह पहला दौरा था। ये लोग गिरमिटिया मजदूर के रूप में ब्रिटिश उपनिवेश में काम करने गए थे। तब शायद किसी ने नहीं सोचा था कि एक दिन भारतीय प्रधानमंत्री उसी धरती पर आधिकारिक यात्रा पर पहुंचेगा। ब्रिटिश शासन के दौरान चीनी और कैरेबियाई गन्ना बागानों में सस्ता श्रम जुटाने के लिए भारत से मजदूरों को भेजा गया था। फतेह-अल-रज़ाक से त्रिनिदाद पहुंचे पहले भारतीयों में ज्यादातर उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड के ग्रामीण थे।

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री दोनों भारतवंशी

पीएम मोदी की यह यात्रा इसलिए भी विशेष है, क्योंकि कैरेबियाई देश में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री दोनों भारतवंशी महिलाएं हैं, जो खुद को भारत की बेटियां बताती हैं। विदेश मंत्रालय ने बताया कि दोनों नेता न सिर्फ भारत की विरासत से जुड़ी हैं, बल्कि भारत के साथ राजनयिक और विकास सहयोग को नई दिशा देने को लेकर उत्सुक हैं। पीएम मोदी के दौरे के दौरान दोनों देशों के बीच डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, फार्मा, अक्षय ऊर्जा, कृषि, स्वास्थ्य और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा होगी। इसके अलावा, खेल, शिक्षा और सांस्कृतिक संबंध भी एजेंडे में शामिल हैं। विदेश मंत्रालय ने बताया, ÷दोनों देश एक विस्तृत सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले है। प्रधानमंत्री मोदी को त्रिनिदाद और टोबैगो की संसद में संयुक्त सत्र को संबोधित करने का विशेष सम्मान मिलेगा। साथ ही, प्रधानमंत्री कमला बिसेसर पीएम मोदी के सम्मान में औपचारिक रात्रिभोज का भी आयोजन करेंगी।

कुख्यात ललित नेपाली का एनकाउंटर

नई दिल्ली।

दिल्ली पुलिस और एसटीएफ की टीम ने एक कुख्यात बदमाश ललित नेपाली का एनकाउंटर कर दिया। मुठभेड़ में बदमाश ललित नेपाली घायल हो गया। फिलहाल उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मुठभेड़ में लाजपत नगर के एसीपी बुलेटप्रुफ जैकेट के कारण बाल-बाल बच गए। ललित दो दर्जन से अधिक वारदातों में शामिल था। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, साउथ-ईस्ट डिस्ट्रिक्ट एसटीएफ और सनलाइट कॉलोनी थाने की संयुक्त कार्रवाई में सराय काले खां बस स्टैंड के पास वांछित अपराधी ललित के साथ मुठभेड़ हुई। करीब दो दर्जन अपराधों में शामिल और कई मामलों में कोर्ट द्वारा भगोड़ा घोषित ललित मुठभेड़ के दौरान गोली लगने से घायल हो गया।

2000 करोड़ की संपत्ति हड़पने की सोनिया और राहुल गांधी ने रची साजिश, ईडी का दावा

नेशनल हेराल्ड से जुड़े मामले की दैनिक सुनवाई शुरू

नई दिल्ली।

दिल्ली की एक विशेष अदालत में नेशनल हेराल्ड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस की बुधवार से दैनिक सुनवाई शुरू की है।

इस दौरान मामले की जांच कर रही एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) वी राजू ने दावा किया कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने ही 2000 करोड़ की संपत्ति हड़पने की सोची-समझी साजिश रची थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (ऐजीएल) की संपत्ति को हड़पना चाहती थी, इसकी कीमत करीब 2,000 करोड़ रुपये थी। इसके बाद एएसजी ने दावा किया कि यह साजिश सोनिया और राहुल गांधी द्वारा रची गई थी।

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया और बेटे राहुल गांधी मामले में मुख्य आरोपी हैं। इस हाई-प्रोफाइल मामले की सुनवाई सीबीआई के विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने कर रहे हैं। बता दें कि एजेएल नेशनल हेराल्ड अखबार प्रकाशित करता था, जिसकी स्थापना पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने की थी।

सुनवाई के दौरान एजीएस राजू ने कहा कि यंग इंडियन बनाने की साजिश रची गई थी, इसमें सोनिया और राहुल गांधी के 76 प्रतिशत शेयर थे, ताकि कांग्रेस से लिए गए 90 करोड़ रुपये के कर्ज के लिए 2,000 करोड़ रुपये की संपत्ति हड़प सके। ईडी ने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के निर्देश पर एजेएल को विज्ञापन के पैसे थे और इस फर्जी कंपनी से जो भी आय हुई, वह अपराध की कमाई थी। 21 मई को पिछली सुनवाई के दौरान ईडी ने कहा था कि सोनिया और राहुल गांधी ने कथित नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले से जुड़े 142 करोड़ रुपये के अपराध की आय अर्जित की है।

ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दायर अभियोजन शिकायत में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य सोनिया गांधी को आरोपी नंबर वन और राहुल गांधी को आरोपी नंबर दो के रूप में नामित किया है। इसके अलावा पांच अन्य को भी मामले में आरोपी बनाया गया है।

जनता कर्ज में डूब रही है और मोदी जी के परम मित्र मुनाफा कमा रहे - जयराम

कर्ज को लेकर कांग्रेस ने केंद्र पर साधा निशाना

नई दिल्ली।

कांग्रेस ने व्यक्तिगत कर्जदारों के प्रति व्यक्ति कर्ज में वृद्धि को लेकर केंद्र की मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि सरकार आंकड़ों और विशेषज्ञों का सहारा लेकर वास्तविक कमियों को छुपाने में लगी है, लेकिन मोदी राज में देश पर कर्ज का बोझ चरम पर पहुंच गया है। जो कि इस सरकार की सबसे बड़ी विफलताओं में से एक है। कांग्रेस नेता रमेश ने मीडिया रिपोर्टों के स्क्रीनशॉट साझा कर लिखा कि मोदी सरकार ने पिछले ग्यारह सालों में देश की अर्थव्यवस्था का बंटाधार कर दिया है, और केवल पूंजीपति मित्रों के लिए तमाम नीतियां बनाई हैं। उन्होंने दावा किया कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ताजा रिपोर्ट भारतीय अर्थव्यवस्था की चिंताजनक तस्वीर प्रस्तुत करती है। कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि बीते 2 साल में प्रति व्यक्ति कर्ज 90,000 बढ़कर 4.8 लाख हो गया है, और आमदनी का 25.7 प्रतिशत हिस्सा केवल कर्ज चुकाने में जा रहा है। उन्होंने बताया कि सबसे ज्यादा 55 प्रतिशत लोन क्रेडिट कार्ड, मोबाइल ईएमआई आदि के लिए जा रहा है, जो दिखाता है कि बढ़ती महंगाई में परिवारों की आय से उनका गुजारा नहीं हो रहा है और वे कर्ज लेने पर मजबूर हैं। कांग्रेस नेता ने चिंता व्यक्त की कि असुरक्षित कर्ज 25 प्रतिशत को पार कर चुका है, और मार्च 2025 तक भारत पर दूसरे देशों/बाहरी कर्ज 736.3 बिलियन डॉलर था, जो पिछले साल की तुलना में 10 प्रतिशत अधिक है। कांग्रेस नेता रमेश ने मोदी सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि जनता कर्ज में डूब रही है और मोदी जी के परम मित्र मुनाफा कमा रहे हैं, उनकी संपत्ति लगातार बढ़ती ही जा रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब सारे सरकारी प्रोजेक्ट पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप या प्राइवेट भागीदारी से हो रहे हैं, तो देश पर कर्जा क्यों बढ़ रहा है और हर देशवासी पर 4,80,000 का कर्जा क्यों हो गया है?

अमरनाथ यात्रा का हुआ आगाज, एलजी मनोज सिन्हा ने जम्मू से किया यात्रियों का पहला जत्था रवाना

जम्मू।

अमरनाथ यात्रा का आगाज आज बुधवार सुबह हो गया। इसी के साथ यात्रा की औपचारिक शुरुआत करते हुए जम्मू-कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा ने 146 वाहनों में जम्मू से अमरनाथ यात्रियों के पहले जत्थे को श्रीनगर के लिए रवाना किया। अमरनाथ यात्रियों का यह पहला जत्था 3 जुलाई गुरुवार को पवित्र शिवलिंग के दर्शन कर सकेगा।

जानकारी अनुसार जम्मू के भगवती नगर स्थित श्री अमरनाथ यात्री निवास बेस कैंप से यात्रियों का पहला जत्था श्रीनगर के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच रवाना किया गया है। इसी के साथ पवित्र शिवलिंग दर्शन के लिए भक्तों का साल भर का इंतजार भी खत्म हो गया। अमरनाथ यात्रा की औपचारिक शुरुआत पहला जत्था रवाना होने के साथ ही हो गई। जम्मू से अमरनाथ यात्रियों का यह जत्था श्रीनगर के बालटाल और पहलगाम के लिए रवाना हुआ है। इससे भोले के भक्तों में खासा उत्साह और जोश नजर आया है। भक्तों ने यात्रा पर रवाना होते हुए कहा कि आतंक को आस्था का यह करारा जवाब है, इसी तरह आगे भी आतंक पर आस्था ही भारी रहेगी।

अमरनाथ यात्रा पर पहला जत्था रवाना होने पर जम्मू-कश्मीर भाजपा अध्यक्ष सतपाल शर्मा का कहना है, कि हजारों श्रद्धालु बाबा अमरनाथ के दर्शन करने यहां आए हैं। इससे महज दो माह पहले यहां एक अलग ही माहौल था, लेकिन आज हम देख पा रहे हैं कि किस प्रकार से श्रद्धालु बाबा भोलेनाथ के जयकारे लगा रहे हैं। भक्तों को पूर्ण विश्वास है कि वे सुरक्षित हाथों में हैं।

इस बार अमरनाथ यात्रा को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-44 पर सुरक्षा-व्यवस्था बेहद टाइट कर दी गई है। इसी के साथ यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए पुलिस व सुरक्षाबल ने चप्पे-चप्पे पर नजर बनाए हुए है।

न्यूयॉर्क है दुनिया के अरबपतियों की राजधानी, भारत में मुंबई

मुंबई।

फ़ोर्बर्स की 2025 की वर्ल्डर्स बिलियनर्स की लिस्ट के अनुसार न्यूयॉर्क में सबसे ज्यादा दुनिया भर के बिलियनर्स रहते हैं। न्यूयॉर्क बिलियनर्स की राजधानी का सबसे बड़ा शहर बन गया है।यहां पर 123 बिलियनर्स रहते हैं। पिछले 12 सालों में न्यूयॉर्क में ज्यादातर बिलियनर्स यहां रहने के लिए आए हैं। 2021 में इस दौड़ में बीजिंग केवल एक बार आगे आया था। भारत की बात करें, तो अरबपतियों की संख्या के मामले में मुंबई, फाइनेंशियल इंफ्रास्ट्रक्चर पूंजी की उपलब्धता और अरबपतियों की मौजूदगी के लिए जानी जाती है। भारतीय बिलियनर्स के लिए मुंबई सबसे पसंदीदा शहर है। यहां पर मुंबई स्टॉक एक्सचेंज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और देश की कई बड़ी कंपनियों के हेड ऑफिस हैं। भारतीय कारोबारी अंबानी, बिरला, गोदरेज, पिरामल जैसे बिजनेस परिवार कई पीढ़ियां से मुंबई में रहते हैं। मुंबई में हाल ही में एनर्जी और मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर के नए अरबपति भी मुंबई को पसंद कर रहे हैं। मुंबई में 67 अरबपति परिवार रहते हैं। जिनकी कुल संपत्ति 349 अरब डॉलर की है।

अब भारतवंशी अनिल मेनन इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर जाएंगे

जून 2026 में लॉन्च होगा मिशन

नई दिल्ली।

नासा के अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर जाने का उनका पहला मिशन सौंपा गया है। वे फ्लाइट इंजीनियर और एक्सपीडिशन 75 क्रू सदस्य के रूप में काम करेंगे। नासा के अनुसार मेनन जून 2026 में रॉस्कॉस्मोस सोयुज एमएस-29 अंतरिक्ष यान पर सवार होकर रॉस्कॉस्मोस कॉस्मोनॉट्स प्योत्र डबरोव और अन्ना किकिना के साथ उड़ान भरेंगे।कजाकिस्तान के बैकोनूर कॉस्मोड्रोम से लॉन्च करने के बाद, तीनों लगभग आठ महीने परिक्रमा प्रयोगशाला में बिताएंगे। अपने अभियान के दौरान, मेनन भविष्य के अंतरिक्ष मिशनों के लिए मनुष्यों को तैयार करने और मानवता को लाभ पहुंचाने में मदद करने के लिए वैज्ञानिक प्रयोग करेंगे। मेनन का जन्म और पालन-पोषण मिनियापोलिस में

हुआ था और वे इमरजेंसी मेडिकल फिजिशियन, मैकेनिकल इंजीनियर और यूनाइटेड स्टेट्स स्पेस फोर्स में कर्नल हैं। नासा के बयान में कहा गया है कि उनका जन्म भारतीय और यूक्रेनी माता-पिता से हुआ था।

हिमाचल में बारिश और फ्लैश फ्लड से 10 की मौत, कई लापता

333 लोगों का किया गया रेस्क्यू, दर्जनों घरों को पहुंचा नुकसान

मंडी।

हिमाचल प्रदेश में लगातार हो रही बारिश और फ्लैश फ्लड से 10 लोगों की मौत हो गई है वहीं मंडी जिले के 34 लोग लापता बताए जा रहे हैं।

आपदा प्रबंधन ने बुधवार सुबह नुकसान की रिपोर्ट जारी की है। जानकारी के मुताबिक चंबा, मंडी और हमीरपुर से कुल 333 लोगों का रेस्क्यू किया गया। कुल 24 घर, 12 गोशालाएं और 30 पशुओं की जान चली गई। प्रदेश में एक बार फिर से मौसम विभाग ने भारी से भारी बारिश होने की चेतावनी दी है। पांच जिला में अत्यधिक बारिश होने की सूचना दी गई है. जिसमें लोगों को सचेत रहने को कहा गया है। इन जिलों के कुछ इलाकों में फ्लैश फ्लड आने की संभावना है।

मंडी के गोहर के स्यांज में 2 मौतें, बड़ा गोहर में 2, करसोग पुराना बाजार में 1 मौत, थुनाग में 1, धार जरोल 1, गोहर के तलवाड़ा में 1 और जोगिंदनगर में 1 मौत होने की रिपोर्ट है। बुधवार को हल्की धूप निकली और प्रशासन बगस्याड से आगे रोड खोलने में जुटा है। उधर मंडी के सराज में भारी तबाही हुई है, लेकिन यहां पर कोई संपर्क नहीं हो पाया है। बिजली, पानी, मोबाइल नेटवर्क और रोड बंद हैं।

जानकारी के मुताबिक मंडी जिले के तीन उपमंडलों गोहर, करसोग और धर्मपुर में कई स्थानों पर बादल फट गए। सदर मंडी में जलभराव व भारी बारिश, बालीचौकी और थुनाग क्षेत्र में बाढ़ की घटनाएं हुई हैं। मंडी जिले में जगह-जगह फंसे लोगों को सुरक्षित स्थानों और राहत शिविरों में पहुंचाया गया। मंडी शहर में जलभराव के कारण फंसे लोगों को विपाशा सदन और गुरुद्वारा में स्थापित राहत शिविरों में लाया गया।

मंडी-मनाली नेशनल हाईवे के बीच सुरंग संख्या 11 व 13 के समीप भूस्खलन के कारण फंसे लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया। लोगों को ब्रेड, बिस्किट व पानी इत्यादि उपलब्ध कराया जा रहा है। मंगलवार शाम पांच बजे तक प्राप्त सूचना के मुताबिक जिला में अभी तक पांच लोगों की मृत्यु की पुष्टि हुई है। आपदा में लापता 15 अन्य लोगों की तलाश के लिए बचाव कार्य जारी है।बादल फटने की घटना के बाद गोहर उपमंडल के स्यांज में एनडीआरएफ की मदद राहत और बचाव कार्यों में जुट गई है साथ ही एसडीआरएफ की टीम भी तैनात की गई है। थुनाग क्षेत्र में एसडीआरएफ की टीम भेजी गई है जबकि करसोग क्षेत्र में एनडीआरएफ की टीम ने राहत एवं बचाव कार्यों में मदद किया। धर्मपुर के लौंगणी में प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। इसके अतिरिक्त अन्य उपमंडलों में भी स्थानीय प्रशासन ने भारी बारिश और भूस्खलन इत्यादि से प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्य चलाए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हिन्दी को संघर्ष का नहीं, सेतु का माध्यम बनायें

फडणवीस सरकार की ताजा घोषणा यह दर्शा रही है कि हिंदी का मुद्दा राज्य में विपक्षी दलों के हाथों का एक ताकतवर राजनीतिक हथियार बनता जा रहा था। न केवल विपक्ष के सभी दल इस मसले पर एकजुट और विधानसभा के मॉनसून सत्र को हंगामेदार बनाने पर आमादा थे, बल्कि ठाकरे बंधुओं को भी हिंदी विरोध की राजनीति की अपनी जानी-पहचानी जमीन वापस मिलती दिख रही थी। क्योंकि शिवसेना प्रमुख बाला साहेब ठाकरे के शुरुआती दौर में पार्टी खास तौर पर हिंदीभाषियों के विरोध के लिए जानी जाती थी। मुंबई और महाराष्ट्र में हिंदीभाषियों की निरंतर बढ़ती आबादी को शिवसेना मराठी अस्मिता के लिए खतरे के रूप में देखती थी।

(लेखक- ललित गर्ग)

दक्षिण भारत के विभिन्न राज्यों में हिन्दी विरोध की राजनीति अब महाराष्ट्र में भी उग्र से उग्रतर हो गयी, इसी के कारण त्रिभाषा नीति को महाराष्ट्र में लगा झटका दुखद और अफसोसजनक है। आखिरकार राजनीतिक दबाव, लंबी रस्साकशी और कशमकश के बाद महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार ने स्कूलों में हिंदी की पढ़ाई से जुड़े मुद्दे पर यू-टर्न लेते हुए अपने कदम पीछे खींच लिए। विदित हो कि केंद्र सरकार की नीति के तहत महाराष्ट्र के स्कूलों में पहली कक्षा से हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाया जाना था। राजनीतिक आग्रहों एवं दुराग्रहों के चलते अब ऐसा नहीं हो पाएगा। मतलब, महाराष्ट्र को तीसरी भाषा के रूप में भी हिंदी मंजूर नहीं है। महाराष्ट्र में हिंदी का संकट वास्तव में एक गहरे सामाजिक-राजनीतिक विमर्श का हिस्सा है। यह केवल भाषाई नहीं, बल्कि अस्मिता, पहचान और सह-अस्तित्व से जुड़ा हुआ है। जबकि भाषा को संघर्ष का नहीं, सेतु का माध्यम बनाना चाहिए। क्योंकि जब मराठी और हिंदी एक-दूसरे की सहयोगी बनेंगी, तभी महाराष्ट्र और भारत दोनों का भविष्य उज्ज्वल होगा और तभी महाराष्ट्र राष्ट्रीयता से जुड़ते हुए समग्र विकास की ओर अग्रसर हो सकेगा।

हिन्दी को हथियार बनाकर उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने मराठी समर्थक राजनीति को इस तरह से गरमा दिया था कि सरकारी प्रयासों के हाथ-पांव फूलने लगे और अपने फैसलों पर पुनर्विचार करना पड़ा। ठाकरे बंधुओं का हिन्दी विरोधी आंदोलन दिनोंदिन उग्र होता जा रहा था। यह सच है, हर राज्य के लिए भाषा की राजनीति मायने रखती है और कोई भी पार्टी स्थानीय स्तर पर अपनी क्षेत्रीय भाषा से मुंह नहीं मोड़ सकती। यह सर्वविदित है कि महाराष्ट्र में पूर्व में एक समिति ने जब हिंदी पढ़ाने की सिफारिश की थी, तब उद्धव ठाकरे ही राज्य के मुख्यमंत्री थे। तब हिंदी का मामला बड़ा नहीं था, पर आज जब ठाकरे विपक्ष में हैं, तब यही मुद्दा सबसे अहम हो गया है। शायद यह शर्म की बात है कि जिस राज्य की राजधानी मंज पूरा हिंदी फिल्म उद्योग बसता है, समूचे देश की आर्थिक राजधानी होने का गौरव जिसे मिला हुआ है, जहां समूचे देश के लोगों बसे है, जिसे सांझा-संस्कृति का गौरव प्राप्त है, उस राज्य की राजनीति अब हिंदी से परहेज करती दिख रही है। आज उद्धव ठाकरे बोल रहे हैं कि देवेंद्र फडणवीस सरकार मराठी मानुष की शक्ति से हार गई, पर वे इस बात को छिपा रहे हैं कि हारी सरकार नहीं, बल्कि राष्ट्र-भाषा हिंदी हारी है, जिसने मुंबई को सपनों का शहर बनाए रखा है।

भारत विविधताओं का देश है, यहां भाषाएं न केवल संवाद का माध्यम हैं, बल्कि सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक भी हैं। परंतु जब भाषाएं टकराव का विषय बन जाएं, तो वह केवल भाषाई संकट नहीं रह जाता, बल्कि एक सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक मुद्दा बन जाता है। ऐसा ही कुछ महाराष्ट्र में देखने को मिल रहा है, जहां हिंदी भाषा को लेकर एक अनकहा-अनचाहा-सा संघर्ष चल रहा है। महाराष्ट्र में मराठी भाषा केवल एक भाषा नहीं, बल्कि मराठी अस्मिता का प्रतीक है। कई मराठी संगठनों और राजनीतिक दलों का यह मानना है कि हिंदी भाषा का बढ़ता वर्चस्व मराठी संस्कृति के लिए खतरा बन सकता है।

फडणवीस सरकार की ताजा घोषणा यह दर्शा रही है कि हिंदी का मुद्दा राज्य में विपक्षी दलों के हाथों का एक ताकतवर राजनीतिक हथियार बनता जा रहा था। न केवल विपक्ष के सभी दल इस मसले पर एकजुट और विधानसभा के मॉनसून सत्र को हंगामेदार बनाने पर आमादा थे, बल्कि ठाकरे बंधुओं को भी हिंदी विरोध की राजनीति की अपनी जानी-पहचानी जमीन वापस मिलती दिख रही थी। क्योंकि शिवसेना प्रमुख बाला साहेब ठाकरे के शुरुआती दौर में पार्टी खास तौर पर हिंदीभाषियों के विरोध के लिए जानी जाती थी। मुंबई और महाराष्ट्र में हिंदीभाषियों की निरंतर बढ़ती आबादी को शिवसेना मराठी अस्मिता के लिए खतरे के रूप में देखती थी। हालांकि बाद के दौर में, खासकर नब्बे के दशक से भाजपा के गठबंधन में शिवसेना की राजनीति भी हिंदी से हिंदू की ओर मुड़ती गई। ऐसे में निश्चित ही मराठा राजनीति से हिन्दी विरोध की उम्मीद नहीं थी। अब तक तमिलनाडु को ही हिंदी विरोध के लिए जाना जाता था, पर इधर तीखे हिंदी विरोध में कर्नाटक के साथ ही, महाराष्ट्र भी शामिल हो गया है। दुनिया की सर्वाधिक तीसरी बोली जाने वाली हिन्दी भाषा अपने ही देश में उपेक्षा एवं राजनीति की शिकार है। अब केन्द्र सरकार के साथ-साथ हिंदी समाज को ज्यादा सजग होना पड़ेगा। हिन्दी भाषी प्रांतों को अपनी राजनीतिक व आर्थिक शक्ति को इतना बल देना पड़ेगा कि कम से कम तीसरी भाषा के रूप में हिंदी को अहिंदीभाषी राज्यों में स्वीकार किया जाए। क्या हिंदी प्रदेश के नेता इससे सबक लेंगे? हालांकि, जिस तरह की त्रासद भाषा-राजनीति महाराष्ट्र में हो रही है, उससे यही लगता है कि इसके लिये बनी समितियों में बैठने वाले विशेषज्ञों की राय को किनारे कर दिया जाएग और राष्ट्रीयता पर क्षेत्रीयता की जीत हासिल हो जाएगी।

महाराष्ट्र में बढ़ते हिन्दीभाषियों के अनुपात को देखते हुए देर-सबेर हिन्दी को अपनाना ही लोकतांत्रिक दृष्टिकोण है। चाहे मुंबई हो या महाराष्ट्र, कुल आबादी में हिंदीभाषियों का बढ़ता अनुपात हिन्दी के पक्ष में है। 2001 की जनगणना के मुताबिक हिंदीभाषियों की संख्या मुंबई में 25.9 प्रतिशत और मराठीभाषियों की 42.9 प्रतिशत थी जो 2011 में क्रमशः 30.2 प्रतिशत और 41 प्रतिशत हो गई। महाराष्ट्र में इसी अवधि में जहां मराठीभाषी आबादी 76 प्रतिशत से 73.4 प्रतिशत पर आ गई, वहीं हिंदीभाषियों का अनुपात 7.3 प्रतिशत से बढ़कर 9.5 प्रतिशत हो गया। इसीलिये हिंदी लादने के इस फैसले ने न केवल उद्धव और राज ठाकरे को आक्रामक रूप में सामने ले आई बल्कि 20 साल बाद उद्धव और राज ठाकरे के एक मंच पर आने की खबर ने महाराष्ट्र की सियासत में हलचल मचा दी। 5 जुलाई को होने वाली हिन्दी विजय रैली पर महाराष्ट्र के लोगों की निगाहें लगी हुई हैं, क्योंकि मराठी भाषा और संस्कृति के मुद्दे पर सुर में सुर मिलाने वाले उद्धव और राज ठाकरे को सियासी हौसला मिल गया है। जिसे महाराष्ट्र की सियासत में एक नया मोड़ माना जा रहा, लेकिन साथ ही सवाल है कि उद्धव और राज ठाकरे की सियासी केमिस्ट्री कब तक बरकरार रहेगी।

हिंदी बनाम मराठी विवाद को कई बार राजनीतिक रंग भी दिया गया है। कुछ स्थानीय दलों ने हिंदी भाषी प्रवासियों, विशेषकर उत्तर प्रदेश और बिहार से आए लोगों को निशाने पर लेकर हिंदी भाषा पर परोक्ष रूप से प्रहार किया है। इससे न केवल भाषा के नाम पर लोगों में दूरी बढ़ी है, बल्कि महाराष्ट्र की समावेशी छवि को भी आघात पहुंचा है। महाराष्ट्र के कई क्षेत्रों, विशेषकर मुंबई, ठाणे, पुणे, और नासिक में बड़ी संख्या में हिंदीभाषी समुदाय निवास करता है। ये लोग महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था, व्यापार, निर्माण और सेवा क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। परंतु जब इनकी भाषा को दोयम दर्जे का माना जाता है, या उनके साथ भेदभाव किया जाता है, तो यह संविधान की आत्मा 'एकता में अनेकता' के विपरीत है। भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में हिंदी और मराठी दोनों को मान्यता प्राप्त है। हिंदी भारत की राजभाषा है और मराठी महाराष्ट्र की राजभाषा। किसी भी राज्य में भाषा का सम्मान होना चाहिए, लेकिन इसके नाम पर दूसरी भाषाओं को अपमानित करना न तो संवैधानिक है और न ही नैतिक। भाषायी सह-अस्तित्व के लिये महाराष्ट्र में मराठी को सर्वोच्च स्थान मिले, लेकिन हिंदी भाषा को भी सम्मान मिले, यह संतुलन ही स्वस्थ लोकतंत्र का आधार है। स्कूलों में मराठी, हिंदी और अंग्रेजी- तीनों भाषाओं को समुचित महत्व देकर बच्चों में बहुभाषिक दृष्टिकोण विकसित किया जा सकता है। विभिन्न राजनीतिक दल भाजपा एवं केन्द्र सरकार को घेरने के लिये जिस तरह भाषा, धर्म एवं जातियता को लेकर आक्रामक रवैया अपनाते हुए देश में अशांति, अराजकता एवं नफरत को फैला रहे रहे हैं, यह चिन्ताजनक है। महाराष्ट्र में हिन्दी का विरोध आश्चर्यकारी है। आजादी के अमृतकाल तक पहुंचने के बावजूद हिन्दी को उसका उचित स्थान न मिलना विडम्बना एवं दुर्भाग्यपूर्ण है।

संपादकीय

डिजिटल चुनौती

इसमें दो राय नहीं कि पिछले एक दशक में प्रौद्योगिकी ने आम भारतीय के जीवन को सहज-सरल बनाने में निर्णायक भूमिका निभायी है। आज तमाम तरह की सुविधाओं को हासिल करने के लिये उसे दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़ते। अनेक सेवाएं एक क्लिक के साथ उसकी मुट्ठी में होती हैं। दरअसल, डिजिटल इंडिया की महत्वाकांक्षी पहल नरेंद्र मोदी सरकार के दौरान वर्ष 2015 में शुरू की गई थी। जिसका मकसद रोजाना व्यवहार में सामने आने वाली जटिलताओं को दूर करके जीवन को आसान बनाना था। निस्संदेह, पिछले एक दशक में इस महत्वाकांक्षी परियोजना ने कई प्रकार से नागरिकों को सशक्त बनाने में निर्णायक भूमिका निभायी है। विशेष रूप से डिजिटल भुगतान आज पूरे देश में अपरिहार्य हो गए हैं। इससे जुड़े आंकड़े पूरी दुनिया को चौंका रहे हैं। इस वर्ष अप्रैल में लगभग 25 लाख करोड़ रुपये के यूपीआई लेन-देन किए गए हैं। इन यूपीआई लेनदेन की संख्या करीब 1,860 थी। वर्ष 2023 में भारत ने वैश्विक रीयल-टाइम लेनदेन का 49 फीसदी हासिल किया। जिसमें 46 करोड़ लोग और 6.5 करोड़ व्यापारी यूपीआई का उपयोग कर रहे थे। निस्संदेह, शासन के विभिन्न क्षेत्रों में भी डिजिटल उपयोग में खासी प्रगति हुई है। जिससे व्यवस्था अधिक पारदर्शी और नागरिकों के हितों के अनुकूल हो गई है। इस डिजिटल क्रांति के चलते स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, बैंकिंग और अन्य सेवाओं तक नागरिकों की पहुंच आसान हुई है। डिजिटल क्रांति से जुड़ी तमाम चुनौतियों के अलावा अभी देश में डिजिटल डिवाइड की समस्या बनी हुई है। जिसे यथाशीघ्र पाटने की जरूरत है। हालांकि, इस दिशा में आशातीत प्रगति भी हुई है, लेकिन अभी इस दिशा में बहुत कुछ करने के लिये चरणबद्ध प्रयासों की सख्त जरूरत है। यह चुनौती ग्रामीण भारत में अधिक नजर आती है। जहां इंटरनेट सेवाओं और मोबाइलों की पहुंच शहरों के मुकाबले कम है। जाहिर है, जब देश के हर व्यक्ति तक डिजिटल क्रांति का लाभ पूरी तरह नहीं पहुंच पाएगा, इस क्रांति के लक्ष्य अधूरे ही रहेंगे। निश्चित रूप से देश में स्वास्थ्य, शिक्षा, बैंकिंग आदि सेवाओं में जो व्यापक सुधार आया है, उसका लाभ हर नागरिक तक पहुंचना जरूरी है। वहीं दूसरी ओर देश में डिजिटल डिवाइड की खाई को पाटने की दिशा में मिशन के रूप में प्रयास जारी हैं। लेकिन हाल में हुए कुछ सर्वेक्षणों के निष्कर्ष चिंता बढ़ाने वाले हैं। इसमें शामिल व्यापक मॉड्यूलर सर्वेक्षण - दूरसंचार, 2025 का उल्लेख करना जरूरी हो जाता है। जिसके अनुसार साल 2025 तक भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली लगभग आधी महिलाओं के पास मोबाइल फोन उपलब्ध नहीं थे। इसके निष्कर्ष एक महीने पहले राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा भी जारी किए गए थे। वहीं इसी तरह एक और आंख खोलने वाली बात शिक्षा मंत्रालय के तहत आने वाले यूनिफाइड डिस्ट्रिक इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन प्लस की वर्ष 2023-24 की रिपोर्ट में भी सामने आई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देश के केवल 57.2 फीसदी स्कूलों में कार्यात्मक कंप्यूटर ही उपलब्ध हैं। वहीं दूसरी ओर 53.9 प्रतिशत स्कूलों में ही इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध है। देश के विपक्षी दल कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि भारत नेट परियोजना के तहत कुल 6.55 लाख गांवों को ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी के लिये लक्षित किया जाना था, लेकिन अभी तक उसमें दो-तिहाई गांवों को कवर किया जाना अभी बाकी है। वहीं दूसरी ओर देश की इस सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी ने बीएसएनएल की दुर्दशा को भी उजागर किया है, जो एक के बाद एक पुनरुद्धार पैकेज मिलने के बावजूद टेलीकॉम क्षेत्र की निजी कंपनियों के खिलाड़ियों से पीछे है।

बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण से बेचैन हुआ विपक्ष

(लेखक-डॉ. आशीष वशिष्ठ)

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पे ेशल इन्टेन्सिव रिवीजन –एस.आई.आर.) का काम शुरू हो गया है। चुनाव आयोग के मुताबिक उसकी इस पहल का मकसद मतदाता सूची को शुद्ध और वास्तविक बनाना है। हालांकि, विपक्षी दलों ने मतदाता सूची में छेड़छाड़ के व्यापक आरोप लगाए हैं। लगभग सभी ने एसआईआर का विरोध किया है और कहा है कि इससे मताधिकार से वंचित होने का गंभीर खतरा है। बिहार की 243 विधानसभा सीटों पर 7.89 करोड़ से अधिक मतदाता हैं। राज्य में इसी साल अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव होने हैं।

बिहार में इस तरह का आखिरी गहन संशोधन 2003 में किया गया था। चुनाव आयोग ने कहा कि बिहार में 2003 की मतदाता सूची को फिर से वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा, जिसमें 4.96 करोड़ लोगों के नाम हैं। इनमें शामिल लोगों को जन्मतिथि या जन्मस्थान साबित करने के लिए दस्तावेज नहीं देने होंगे। बाकी 3 करोड़ मतदाताओं को प्रमाण के लिए दस्तावेज देने होंगे। वोटिंग लिस्ट में ये संशोधन ऐसे वक्त किए जाने हैं जब बिहार में इसी साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं. ऐसे में विपक्षी पार्टियां इस पर नाराज़गी जता रही हैं। इस मसले पर विपक्ष की ओर से एक साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई थी, जिसमें बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कई मुद्दे उठाए थे और व्यावहारिक समस्याएं बताई थीं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस कदम को एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर) से भी ज्यादा खतरनाक बताया और आरोप लगाया कि उनका राज्य, जहां अगले साल चुनाव होने हैं, असली लक्ष्य है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 7 जून को महाराष्ट्र की मैच फिक्सिंग के बारे में कई बातें लिखी थीं। उन्होंने लिखा था, 卐ज्योंकि महाराष्ट्र की यह मैच फिक्सिंग अब बिहार में भी दोहराई जाएगी और फिर वहां भी, जहां-जहां बीजेपी हार रही होगी।卐

तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने 28 जून को कहा कि चुनाव आयोग द्वारा घोषित मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण 卐पिछले दरवाजे से एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर) लाने का एक भयावह कदम卐 है। इससे पहले ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने इसको लेकर सवाल उठाए। उन्होंने 27 जून को एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, निर्वाचन आयोग बिहार में गुप्त तरीके से एनआरसी लागू कर रहा है। जबकि सत्तारूढ़ दलों ने इसे पूर्व की चुनावी धांधली पर चुनाव आयोग की सख्ती के साथ पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया है।

महागठबंधन के प्रमुख घटक दल राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि 2003 में जब मतदाता सूची का पुनरीक्षण हुआ था तो उसमें दो साल लगे थे और तब साढ़े चार करोड़ से कुछ ज्यादा मतदाता थे। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) का मानना है कि विधानसभा चुनाव से एक महीने पहले सघन पुनरीक्षण अभियान संभव नहीं है। राजद नेताओं ने सवाल उठाया कि अगर मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण की इतनी आवश्यकता है, तो यह केवल बिहार में ही क्यों किया जा रहा है? क्या देश के अन्य राज्यों को इसकी जरूरत नहीं है? नेताओं ने आरोप लगाया कि यह पूरी प्रक्रिया बिहार को निशाना बनाने की एक सोची-समझी रणनीति है।

संविधान का अनुच्छेद 324 (1) भारत के निर्वाचन आयोग को संसद और राज्य विधानसभाओं के - चुनावों के लिए मतदाता सूची तैयार करने और उनके संचालन के अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण की शक्ति देता है। गहन पुनरीक्षण में मतदाता सूची को नए सिरे से तैयार किया जाता है। भारत निर्वाचन आयोग बिहार के बाद, चुनाव आयोग इस वर्ष के अंत तक 2026 में चुनाव होने वाले पांच राज्यों में मतदाता सूचियों की इसी प्रकार की समीक्षा करेगा। असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की विधानसभाओं का कार्यकाल अगले वर्ष मई-जून में समाप्त हो रहा है। ध्यान रहे पश्चिम बंगाल और असम दोनों ही राज्यों में एनआरसी बड़ा मुद्दा है क्योंकि इन राज्यों में बांग्लादेशी घुसपैठियों और शरणार्थियों की बड़ी संख्या है।

राजनीतिक हलकों में इस बात की जोरों से चर्चा है कि बिहार के बाद मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण की बारी पश्चिम बंगाल की होगी। तभी पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस बहुत बेचैन है। तृणमूल कांग्रेस को यह चिंता सता रही है कि अगर चुनाव आयोग ने चुनिंदा विधानसभा क्षेत्रों में टारगेट करके मतदाताओं के नाम काटे तो उसका फायदा भाजपा को होगा। पश्चिम बंगाल में 30 फीसदी मुस्लिम आबादी है, जिसके बारे में भाजपा आरोप लगाती है कि इनमें बड़ी संख्या बांग्लादेशी और रोहिंग्या की है। इनका वोट एकमुश्त तृणमूल को जाता है। हर क्षेत्र में 10 से 20 हजार नाम अगर कट जाते हैं तो तृणमूल को उसका बड़ा नुकसान होगा। हालांकि बिहार से उलट पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के नेता ज्यादा जागरूक और सक्रिय हैं। वे आसानी से नाम नहीं कटने देंगे। पिछले कई महीनों से वे खुद घर घर जाकर सब चेक कर रहे हैं।

बिहार की राजनीति को करीब से जानने वालों के अनुसार, निर्वाचन आयोग देश में अवैध रूप से बांग्लादेश, नेपाल और म्यांमार से आकर जो लोग रह रहे हैं, जिन्होंने मतदाता सूची में नाम दर्ज करवा लिया है। वैसे लोगों को मतदाता सूची से हटाने की प्रक्रिया शुरू की है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि जो भी अवैध रूप से बिहार आकर बस गए हैं, उनका वोट विपक्ष को जाता है। यही कारण है कि इंडिया गठबंधन के घटक दल हो या ओवैसी, इनको इस बात का डर सता रहा है कि मतदाता सूची से यदि इनका नाम कट गया तो उनका राजनीतिक रूप से नुकसान होगा।

बिहार के सीमांचल के इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों का मामला वर्षों से सामने आ रहा है। पिछले 30 वर्षों में पूरे सीमांचल का समीकरण बदल गया है। किशनगंज, अररिया, कटिहार और पूर्णिया में अल्पसंख्यकों की आबादी 40 फीसदी से 70 फीसदी तक हो चुकी है। यही कारण है कि वर्षों से इस इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों की रोक की मांग उठती रही है। कई इलाकों से हिंदुओं के पलायन की भी खबर उठी थी। केंद्र सरकार ने जब पूरे देश में एनआरसी लागू करने की बात कही थी तो बिहार में इस इलाके से भी विरोध के सुर उठे थे।

(चिंतन- मनन)

कोई भी परिस्थिति हो, ये काम कभी बंद ना करें

अपने विचारों का मूल्यांकन करना कभी भी बंद न करें, क्योंकि विचारों का प्रवाह अनवरत और कभी-कभी अत्यधिक भी हो जाता है। हर नया विचार पुराने को चुनौती देता है। यहीं से भ्रम भी पैदा होता है और कभी-कभी अधिक विचार आने से निर्णय भी गलत हो जाते हैं। रावण के साथ यही हुआ। वह बहुत विद्वान था। लिहाजा उसके भीतर विचारों की भरमार थी।

सुंदरकांड का दृश्य है। रावण के दरबार में हनुमानजी निर्भीक खड़े थे। दोनों का वार्तालाप शुरू होता है।

कह लंकेस कवन तैं कीसा। केहि कें बल घालेहि बन खीसा।। की धौं श्रवन सुनेहि नहिं मोही। देखउं अति असंक सठ तोही।।

लंकापति रावण ने कहा - रे वानर! तू कौन है? किसके बल पर तूने वन को उजाड़कर नष्ट कर डाला? क्या तूने कभी मेरा नाम और यश नहीं सुना? रे शठ! मैं तुझे अत्यंत निरूशंक देख रहा हूं।

मारे निसिचर केहिं अपराधा। कहु सठ तोहि न प्रान कइ बाधा।। तूने किस अपराध से राक्षसों को मारा? बता, क्या तुझे प्राण जाने का भय नहीं है? यहां रावण ने हनुमानजी से पांच प्रश्न पूछे। इन शब्दों में अहंकार भरा हुआ था। रावण ने अपने ही विचारों को शब्दों से जोड़ने के लिए अहंकार का सेतु बनाया, जबकि विश्लेषण के साथ शब्द प्रस्तुत करने थे, क्योंकि सामने हनुमानजी खड़े थे।

हनुमानजी की विशेषता यही थी कि वे अपने विचारों का मूल्यांकन करते रहते थे। दरअसल रावण यह मानता ही नहीं था कि वह अहंकारी है। उसके हिसाब से तो जो वह कर रहा होता था, वही सही माना जाए। उसके पास सबकुछ होने के बाद भी वह अव्वल दर्जे का भिखारी था। यहीं से हनुमानजी उसे बुद्धि का दान देना शुरू करते हैं।

विचार मंथन

बिग ब्यूटीफुल बिल बना ट्रंप के लिए जी का जंजाल ?

(लेखक - सनत जैन/ईएमएस)

डोनाल्ड ट्रंप का प्रस्तावित बिग ब्यूटीफुल बिल से अमेरिकी संसद में तूफान खड़ा हो रहा है। इसे ट्रंप प्रशासन की दूसरी पारी का ब्लूप्रिंट माना जा रहा है। जो उनके चुनावी वादों को पूरा करने के रूप में देखा जा रहा है। इस बिल के पीछे की सच्चाई और इसके संभावित परिणामों को लेकर अमेरिका तथा भारत जैसे देशों के लिए इस बिल के परिणाम बड़े घातक हो सकते हैं।

इस बिल का मुख्य उद्देश्य टैक्स कटौती, सीमा सुरक्षा, और सामाजिक योजनाओं में बदलाव के ज्यादा अधिकार राष्ट्रप ति को देता है। इसमें सरकार द्वारा 2017 के टैक्स कट्स को स्थायी करने, व्यक्तिगत और कॉर्पोरेट टैक्स दरों में कमी करने ओवरटाइम व टिप्स पर टैक्स छूट जैसे प्रावधान शा मिल हैं। इस बिल में बॉर्डर, अवैध प्रवासियों के डिपोर्टेशन के लिए 4.5 ट्रिलियन डॉलर का भारी-भरकम खर्च प्रस्तावित है। दूसरी ओर सरकार मेडिकेड और खाद्य सुरक्षा जैसी योजनाओं में कटौती कर सकती है। जिसके कारण गरीब और मध्यम वर्ग को भारी नुकसान होना तय है। भारत एवं भारतीयों के लिए सबसे चिंताजनक विदेशी धन-प्रेषण पर 3.5 से 5ब्र टेक्स भारतीय-अमेरिकी समुदाय को सीधे प्रभावित करेगा। भारत को भेजे जाने वाले धन पर यह टैक्स भारतीय रुपये को और भी कमजोर कर सकता है। जिसका असर भारत की अर्थव्यवस्था पर पड़ना तय है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का यह बिल उनके धनाढ्य समर्थकों और पूंजीपतियों के लिए को फायदा पहुंचाने का बिल माना जा रहा है। भारत में जिस तरह से इलेक्ट्रोल बांड के माध्यम से राजनै तिक दलों के लिये बिल लाया गया था, इस बिल के माध्यम से मोदी सरकार को सबसे ज्यादा चंदा मिला। चंदे के आधार पर ठेके दिये गए। बिग ब्यूटी बिल के माध्यम से ट्रम्प को जो अ धिकार मिलेंगे, उससे वह चंदा और प रिवार के निजी कारोबार को बढ़ाने के लिये उपयोग करेंगे। यह आशंका अमे रिका में व्यक्त की जा रही है। डेमोक्रेट्स इसे अमीरों का बिल बता रहे हैं। वहीं रिपब्लिकन भी अमेरिका के ऊपर बढ़ते कर्ज जो 2.4 से 4 ट्रिलियन डॉलर पर पहुंच गया है, उसको लेकर चिंतित हैं। अमेरिकी सांसद बर्नी सैंडर्स ने इस बिल को भ्रष्ट वित्त प्रणाली का प्रतीक बताया है। उनका कहना है राष्ट्रपति ट्रंप अपने अरबपति मित्रों को लाभ पहुंचाने के लिए इस बिल को पास कराने जा रहे है। राष्ट्रपति और ट्रंप के पूर्व सहयोगी एलन मस्क ने भी इसका विरोध किया है। इस विरोध के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और एलन मस्क के बीच तकरार बढ़ी है। एलन मस्क ने धमकी दी है, वह अमेरिका में तीसरी पार्टी बनाएंगे। वहीं राष्ट्रपति ट्रंप ने एलन मस्क को अमेरिका से बाहर निकालने तक की बात कह दी है। भारत के लिए यह बिल बिग एंड बैड साबित हो सकता है। भारत सरकार की खामोशी हैरान करने वाली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इस बिल के बारे में अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। उनकी चुप्पी से यह धारणा बनने लगी है, भारत अमेरिकी दबाव के सामने नतमस्तक है? गौतम अडानी जैसे कारोबारियों के हितों की रक्षा में क्या भारत सरकार राष्ट्रीय हितों को नजरअंदाज कर रही है? यह बिल अमेरिकी संसद में पारित होने के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था पर इसका दूरगामी दुष्प्रभाव होगा। भारत सरकार का मौन न केवल निराशाजनक है, बल्कि भारत सरकार की अर्थव्यवस्था एवं भारतीयों के लिए यह बिल खतरनाक भी है। ट्रंप के लिए यह बिल उनकी सत्ता और उनके प रिवार के कारोबार को बढ़ाने के लिए हो सकता है। भारत सहित दुनिया के कई देशों के लिए यह बिल आर्थिक फंदा बन सकता है। अमेरिका के माध्यम और गरीब वर्ग के लिए भी इस बिल से भारी नुकसान होने की संभावना है। जिसके कारण अमेरिका में इस बिल का बड़े पैमाने पर विरोध शुरू हो गया है। इस बिल से भारत की प्रभावित हो रहा है। भारत सरकार की चुप्पी से सभी को आश्चर्य हो रहा है। भारत सरकार को भारतीय मूल के नागरिकों और भारत के आर्थिक एवं राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने के लिए तुरंत सक्रिय होने की आवश्यकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को रुपया 17 पैसे की गिरावट के साथ ही 85.67 रुपये पर बंद हुआ। आज अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया सुबह अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.28 के स्तर पर खुला। यह शुरुआती स्तर है और बाजार में दिन भर उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। वहीं स्थानीय शेयर बाजार में मजबूती और मानसून की प्रगति से कीमतों में स्थिरता बनने रहने की संभावनाओं के बीच विदेशी करेंसी बाजार में भारतीय रुपया मंगलवार को अमेरिकी डालर के मुकाबले 25 पैसे मजबूती के साथ बंद हुआ।

एसबीआई ने आरकॉम के लोन को बताया फ्रॉड!

मुंबई। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने दूरसंचार कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड (आरकॉम) के लोन खाते को धोखाधड़ी करार दिया है। साथ ही बैंक ने कंपनी के पूर्व निदेशक अनिल अंबानी का नाम भारतीय रिजर्व बैंक को रिपोर्ट करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह जानकारी रिलायंस कम्युनिकेशंस ने हाल ही में एक नियामकीय फाइलिंग के जरिए दी। एक रिपोर्ट के अनुसार 23 जून 2025 को भेजे गए एक पत्र में एसबीआइ ने कहा कि उसकी फ्रॉड आइडेंटिफिकेशन कमेटी ने आरकॉम के खाते को फ्रॉड घोषित करने का निर्णय लिया है। एसबीआइ ने यह फैसला रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड और अन्य समूह कंपनियों के जरिए संभावित फंड डायवर्जन और लोन शर्तों के उल्लंघन के आधार पर लिया है। एसबीआई की यह कार्रवाई आरकॉम की कॉर्पोरेट इनसॉल्वेंसी रेजोल्यूशन प्रोसेस (सीआईआरपी) शुरू होने से पहले के कर्ज से जुड़ी है।

कीस्टोन रियल्टर्स मुंबई में आठ आवासीय परियोजनाओं का करेगी पुनर्विकास

मुंबई। रियल एस्टेट कंपनी कीस्टोन रियल्टर्स लिमिटेड ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसे मुंबई के अंधेरी पश्चिम के अत्यधिक मांग वाले आवासीय क्षेत्र में बड़े पैमाने पर क्लस्टर पुनर्विकास परियोजना के लिए डेवलपर के रूप में आठ आवासीय सोसायटियों द्वारा चुना गया है। पांच सोसायटियों के साथ विकास समझौते (डीए) पर पहले ही हस्ताक्षर हो चुके हैं, जबकि शेष तीन सोसायटियों से एलओआई (आशय पत्र) प्राप्त हो चुके हैं तथा डीए पर अगले कुछ दिनों में हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। कंपनी ने कहा कि इस परियोजना में अंधेरी के जीवंत आवासीय केंद्र के मध्य में स्थित निजी आवास सोसायटियों के समूह का पुनर्विकास शामिल है, जिसमें कुल मिलाकर लगभग 4.75 एकड़ भूखंड होगा, जिसमें 548 मौजूदा सदस्य शामिल होंगे। प्रस्तावित पुनर्विकास से लगभग 10.6 लाख वर्ग फुट बिक्री योग्य क्षेत्र उपलब्ध होने तथा लगभग 3,000 करोड़ रुपये का सकल विकास मूल्य (जीडीवी) उत्पन्न होने की उम्मीद है। कीस्टोन ने कहा कि यह विकास प्रमुख उपनगरीय बाजारों में उपस्थिति का विस्तार करने और सूक्ष्म बाजारों और टिकट आकारों में एक अच्छी तरह से विविध पोर्टफोलियो बनाने की अपनी रणनीति के अनुरूप है।

अमेरिकी ऊर्जा सचिव से ऊर्जा साझेदारी के अवसरों पर हुई चर्चा- जयशंकर

वाशिंगटन।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिकी ऊर्जा सचिव क्रिस राइट से मुलाकात की और गहरी द्विपक्षीय ऊर्जा साझेदारी के अवसरों पर चर्चा की। जयशंकर अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के निमंत्रण पर आधिकारिक यात्रा पर अमेरिका में हैं। जयशंकर ने बैठक के बाद सोशल मीडिया मंच पर कहा, आज वाशिंगटन डीसी में अमेरिकी ऊर्जा सचिव क्रिस राइट के साथ एक उपयोगी बातचीत हुई। भारत में चल रहे ऊर्जा परिवर्तन के बारे में बात की और भारत-अमेरिका ऊर्जा साझेदारी को और मजबूत बनाने के अवसरों के बारे में भी बात की।

एसबीआई की बैलेंस शीट का आकार 175 देशों की जीडीपी से अधिक

नई दिल्ली।

देश के प्रमुख बैंकों में से एक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने कहा कि वर्तमान में उसका वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में 1.1 प्रतिशत और भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 16 प्रतिशत योगदान है। एसबीआई की बैलेंस शीट का आकार 175 देशों की जीडीपी से भी अधिक है। बैंक ने बताया कि सभी सरकारी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के कार्यान्वयन में अब बैंक की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत से अधिक हो गई है। प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई) में एसबीआई ने 15 करोड़ खाते खोले हैं, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) के तहत 14.6 करोड़ लोगों का पंजीकरण किया है। वहीं, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) के तहत 6.7 करोड़ और अटल पेंशन योजना (एपीवाई) में 1.73 करोड़ लोगों को नामांकित किया है। एसबीआई के मुताबिक वित्त वर्ष 2025 में बैंक का सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के लाभ में 40 प्रतिशत की हिस्सेदारी थी। वहीं कॉर्पोरेट आयकर (वित्त वर्ष 2026) में 2.53 प्रतिशत का योगदान था। बैंक ने कहा कि अगर एसबीआई देश होता तो 52 करोड़

यूरो के मुकाबले रुपये में रिकॉर्ड गिरावट

1 यूरो की कीमत 100.70 रूपये पर पहुंची

नई दिल्ली।

भारतीय मुद्रा रुपये में यूरो के मुकाबले जोरदार गिरावट दर्ज हुई है। 1 जुलाई 2025 को एक यूरो की विनिमय दर 100.70 रूपये पर पहुंच गई है। जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 89.60 रूपये थी। यानी एक वर्ष में 11.10 रूपये की गिरावट के साथ रुपये का 12.5त्न से अधिक अवमूल्यन हुआ है। इस गिरावट को भारतीय मुद्रा की बाहरी विनिमय नीतियों और यूरो की मजबूती के रूप में देखा जा रहा है। डॉलर के मुकाबले रुपया मात्र 2.3 रूपये कमजोर हुआ है। वही यूरो मुद्रा के मुकाबले भारतीय मुद्रा 12.5 फ़ीसदी गिर गई है। जिसका भारत पर बहुत बड़ा असर होने जा रहा है। डॉलर की ओर भारत सरकार और रिजर्व बैंक अत्यधिक केंद्रित दृष्टिकोण पर सवाल उठने लगे हैं। आर्थिक विश्लेषकों के अनुसार, वैश्विक व्यापार का लगभग 25त्न भारतीय आयात एवं निर्यात व्यापार यूरो में होता है ।जबकि डॉलर में 55त्न कारोबार होता है। भारत का वर्तमान मे व्यापारिक संतुलन यूरोप की ओर है, जिससे यूरो के प्रति रुपये की कमजोरी देश की आयात लागत पर प्रभाव होगा। जो भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए काफी नुकसानदेह है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है, डॉलर के साथ-साथ अन्य प्रमुख मुद्राओं पर भी सरकार और रिजर्व बैंक को सतर्क निगरानी रखने की आवश्यकता है। यही प्रवृत्ति बनी रही, तो मुद्रास्फीति, विदेशी निवेश और व्यापार घाटे पर गहरा असर होना तय है। जिसका बहुत बड़ा असर भारतीय अर्थव्यवस्था और महंगाई के रूप में भारत में पड़ेगा।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 288 और निफ्टी 88 अंक गिरा

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 287.60 अंक नीचे आकर 83,409.69 अंकों पर बंद हुआ।

वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 88 अंक टूटकर 25,453.40 अंकों पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान बैंकिंग और वित्तीय शेयरों में विशेष रुप से गिरावट रही। वहीं गत दिवस बाजार हल्की बढ़त पर बंद हुआ था।

आज सेंसेक्स की 30 में से सिर्फ 14 कंपनियों के शेयर ही बढ़त के साथ ऊपर आकर बंद हुए, वहीं अन्य सभी 16 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ ही नीचे आये। इसी तरह, निफ्टी की 22 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ ऊपर आकर बंद हुए जबकि 28 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ ही नीचे आये। सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल टाटा स्टील के शेयर सबसे ज्यादा 3.72 फीसदी बढ़कर बंद हुए जबकि बजाज फिनसर्व के शेयरों में भी सबसे ज्यादा 2.10 फीसदी की गिरावट रही। सेंसेक्स की बाकियों कंपनियों में आज , अल्ट्राटेक सीमेंट 1.60 फीसदी, ट्रेंट 1.43 फीसदी, मारुति सुजुकी 1.38 फीसदी, सनफार्मा 0.77 फीसदी, टाटा मोटर्स 0.65 फीसदी, भारती एयरटेल 0.53 फीसदी, टेक महिंद्रा 0.48 फीसदी, एनटीपीसी 0.30 फीसदी, टाइटन 0.14 फीसदी, एक्सिस बैंक 0.14 फीसदी और इंफोसिस के शेयर 0.11 फीसदी, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.38 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुए।

वहीं लार्सन एंड टुब्रो के शेयर 1.89 फीसदी, बजाज फाइनेंस 1.48 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 1.30 फीसदी, बीईएल 1.23 फीसदी, कोटक महिंद्रा बैंक 0.94 फीसदी, पावरग्रिड 0.94 फीसदी, एसबीआई 0.86 फीसदी, रिलायंस 0.66 फीसदी, आईटीसी 0.55 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.36 फीसदी, अडाणी पोर्ट्स 0.28 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 0.27 फीसदी, एचसीएल टेक 0.19 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। शुरुआती कारोबार में आईटी और ऑटो सेक्टर में खरीदारी देखी गई। सेंसेक्स 225.5 अंक बढ़कर 83,922.79 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 58.75 अंक बढ़कर 25,600.55 पर कारोबार कर रहा था। वहीं एशियाई बाजारों में बैंकॉक, चीन, जापान, सोल और जकार्ता गिरावट के साथ ही लाल निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि केवल हांगकांग हरे निशान में कारोबार कर रहा था।

सोना 97,200 रुपए प्रति दस ग्राम, चांदी 1,06,600 रुपए के करीब

नई दिल्ली।

सोने-चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत में सुस्ती देखने को मिल रही है। बुधवार के कारोबार में घरेलू बाजार में दोनों के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। इस समय घरेलू बाजार में सोने के भाव 97,200 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,06,600 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। लेकिन बाद में भाव लुढ़क गए। चांदी गिरावट के साथ ही खुली। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 9 रुपये की गिरावट के साथ 97,242 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 97,251 रुपये था। इस समय यह 64 रुपये की गिरावट के साथ 97,187 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 97,242 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 97,157 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 29 रुपये की गिरावट के साथ 1,06,684 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,06,713 रुपये था। इस समय यह 96 रुपये की गिरावट के साथ 1,06,617 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,0,6,690 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,0,6,617 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कॉमेक्स पर सोना 3,350 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,349.80 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 1.10 डॉलर की गिरावट के साथ 3,348.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव ने इस साल 3,509.90 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई छू लिया है।

विदेशों में महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉकों का अधिग्रहण करेगी एनएमडीसी- सीएमडी

नई दिल्ली।

सार्वजनिक क्षेत्र की लौह अयस्क उत्पादक एनएमडीसी महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉकों के अे धिग्रहण करने के बारे में` विचार कर रही है। कंपनी के एक प्रमुख अे धिकारी ने कहा कि इससे कंपनी की उपस्थिति मजबूत होगी। एंटीमनी, लिथियम, कोबाल्ट, तांबा जैसे महत्वपूर्ण खनिज सौर पैनल, पवन चक्की, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) और ऊर्जा भंडारण प्रणालियों जैसी स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के लिए जरूरी हैं। भारत ने उनकी दीर्घकालिक उपलब्धता और प्रसंस्करण सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन (एनसीएमएम) शुरू किया है। उन्होंने कहा` कि खनिज विविधीकरण रणनीति के तहत, एनएमडीसी वैश्विक स्तर पर 10 रणनीतिक खनिज परिसंपत्तियों में अधिग्रहण के अवसरों का सक्रिय रूप से मूल्यांकन कर रही है। एनएमडीसी वैश्विक महत्वपूर्ण खनिज मूल्य श्रृंखला में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने के लिए अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अमेरिका में महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉक अधिग्रहण की संभावनाएं तलाश रही है। दुबई में एनएमडीसी कार्यालय के उद्घाटन के मौके पर उन्होंने कहा कि यह शहर वैश्विक अवसरों का प्रवेश द्वार है और नया कार्यालय, कंपनी के खनन परिदृश्य को दोबारा परिभाषित करने के लिए तैयार है। केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने हाल ही में दुबई में एनएमडीसी कार्यालय का उद्घाटन किया।

संभव स्टील ट्यूब्स का शेयर 34 प्रतिशत बढ़कर सूचीबद्ध हुआ

नई दिल्ली।

संभव स्टील ट्यूब्स लिमिटेड का शेयर बुधवार को 82 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले 34 प्रतिशत से अधिक बढ़त के साथ सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर कंपनी के शेयर ने निर्गम मूल्य के मुकाबले 34.26 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 110.10 रुपये पर अपनी शुरुआत की। इसके बाद यह 35.23 प्रतिशत बढ़कर 110.89 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर संभव स्टील का शेयर 34.14 प्रतिशत की बढ़त के साथ 110 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 2,966.75 करोड़ रुपये रहा। संभव स्टील के 540 करोड़ रुपये के आईपीओ को पिछले सप्ताह शुक्रवार को बोली के अंतिम दिन तक 28.46 गुना अभिदान मिला। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 77-82 रुपये प्रति शेयर था। आईपीओ में 440 करोड़ रुपये मूल्य के इक्विटी शेयरों का ताजा निर्गम और प्रवर्तकों द्वारा 100 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है।

टिकटॉक बेचने की डील फाइनल! ट्रंप जल्द करेंगे खरीदारों के नाम का खुलासा

वाशिंगटन।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि टिकटॉक को बेचने की डील तकरीबन फाइनल हो चुकी है।

उन्होंने कहा कि इसे कुछ बहुत अमीर निवेशकों के समूह को बेचा जाएगा। एक इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि हमारे पास टिकटॉक का एक खरीदार हैज लेकिन मुझे लगता है कि इस पर शायद चीन की मंजूरी लेनी होगी। ट्रंप ने खरीदारों के नाम का खुलासा करने से इनकार करते हुए कहा कि वह दो हफ्ते में इस बारे में बताएंगे।

बता दें टिकटॉक चाइनीज कंपनी बाइटडांस के स्वामित्व में है। इस पर आरोप है कि यह ऐप अमेरिकी यूजर्स का डेटा एकत्र करता है और इसे चीनी सरकार के साथ साझा करता है। अप्रैल 2024 में राष्ट्रपति जो बाइडन ने एक विधेयक पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें बाइटडांस को टिकटॉक का अमेरिकी कारोबार बेचने या जनवरी 2025 तक बैन का सामना करने का आदेश दिया था। दिसंबर 2024 में वाशिंगटन डीसी की अपील अदालत ने इस कानून को बरकरार रखा। 2025 में ट्रंप ने सत्ता में आने के बाद टिकटॉक को 75 दिन की मोहलत दी ताकि इसे अमेरिकी स्वामित्व में लाया जा सके। ट्रंप इस डेडलाइन को तीन बार बढ़ा चुके हैं।

इस साल की शुरुआत में टिकटॉक के अमेरिकी संचालन को एक नई कंपनी में बदलने की योजना थी, जिसमें अमेरिकी निवेशकों का बहुमत होता, लेकिन जब ट्रंप ने चीनी वस्तुओं पर नए टैरिफ लगाए तो चीन ने इस डील का विरोध किया और बातचीत रुक गई। ट्रंप ने पहले भी बाइटडांस और अमेरिकी निवेशकों के बीच संयुक्त उद्यम का सुझाव दिया था, जिसमें अमेरिका को 50 फीसदी हिस्सेदारी मिलती। ट्रंप ने लैरी एलिसन और एलन मस्क जैसे नामों को संभावित खरीदार बताया था, हालांकि मस्क अब इससे दूर होते दिख रहे हैं। टिकटॉक की बिक्री को लेकर अब सभी की निगाहें 17 सितंबर पर टिकी हैं।

सवाल यही है कि बाइटडांस सौदे को आगे बढ़ाता है या नहीं, और क्या चीनी सरकार इसे मंजूरी देती है।

महिंद्रा की पॉपुलर ऑफरोड एसयूवी थार ने बनाई मजबूत पकड

नई दिल्ली।

भारतीय बाजार में महिंद्रा एंड महिंद्रा की पॉपुलर ऑफरोड एसयूवी थार अपनी मजबूत पकड़ बनाए हुए है। बिक्री के मामले में यह मारुति जिम्नी से कहीं आगे निकल चुकी है। फिलहाल थार सिर्फ आईसीई इंजन वेरिएंट में बिक रही है, लेकिन ग्राहकों में इसके इलेक्ट्रिक वर्जन को लेकर खासा उत्साह है।

महिंद्रा पहले ही पुष्टि कर चुकी है कि थार को इलेक्ट्रिक पावरट्रेन के साथ भी लॉन्च किया जाएगा। कंपनी हाल के वर्षों में स्वतंत्रता दिवस जैसे मौकों पर अपने नए मॉडलों और भविष्य की योजनाओं का खुलासा करने की परंपरा निभा रही है। आने वाले सालों में महिंद्रा अपने रेगुलर आईसीई और इलेक्ट्रिक पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए कई नए मॉडल पेश करने की तैयारी में है। कुछ कॉन्सेप्ट पहले ही प्रदर्शित किए जा चुके हैं लेकिन कंपनी के पास कई ऐसे प्रोजेक्ट भी हैं जो अभी तक पर्दे के पीछे हैं। इसी बीच, इंटरनेट पर हाल ही में एक नए प्रोटोटाइप की स्पाई तस्वीरें वायरल हुई हैं। यह नियर-प्रोडक्शन मॉडल कई दिलचस्प डिजाइन डीटेल्स दिखा रहा है। इसमें सीधा फ्रंट फेसिया, स्क्वॉर्पियो जैसी वर्टिकल ग्रिल स्लैट्स और बॉक्सी बॉडीवर्क महिंद्रा की पहचान बताता है। साथ ही इसका डिजाइन दक्षिण अफ्रीका में दिखाए गए थार.ई कॉन्सेप्ट से मेल खाता नजर आता है।

स्पेयर व्हील के साथ फ्लैट टेलगेट, ऊंचे पिलर और रूफलाइन इसके इलेक्ट्रिक वर्जन की तरफ इशारा करते हैं। हालांकि, कुछ जानकार इसे अगली पीढ़ी के बोलेरो नियो से भी जोड़ रहे हैं। तस्वीरों में स्क्वॉपिंग बोनट, ट्विन पीक्स लोगो, सर्कुलर एलईडी हेडलैम्प्स, चौड़ा इंटेक वाला बम्पर और आयताकार टेललैंप्स दिख रहे हैं। यह प्रोटोटाइप पांच-द्वार वाला नजर आता है और थार रॉक्स के मुकाबले ज्यादा परिष्कृत डिज़ाइन का संकेत देता है।

ऑल्टो का नया फेसलिफ्ट वर्जन लॉन्च

नई दिल्ली।

जापान के ऑटोमोबाइल बाजार में सुजुकी ने 2025 ऑल्टो का नया फेसलिफ्ट वर्जन लॉन्च किया है। यह वर्जन वहां की पॉपुलर केई कार कैटेगरी में आता है। भारत में बिकने वाली ऑल्टो से यह मॉडल पूरी तरह अलग है और तकनीकी रूप से अधिक उन्नत माना जा रहा है। यह नई ऑल्टो न केवल कॉम्पैक्ट और किफायती है, बल्कि पहले से कहीं ज्यादा एडवांस फीचर्स और बेहतर माइलेज के साथ पेश की गई है। इसके डिजाइन में हल्के कॉस्मेटिक बदलाव किए गए हैं जैसे नया फ्रंट ग्रिल, बदला हुआ बंपर और राउंड शेप एयर इनटेक्स, जो इसे स्टाइलिश और परिष्कृत लुक देते हैं। साइड और रियर प्रोफाइल में ज्यादा बदलाव नहीं हैं, लेकिन नया रूफ स्पॉइलर इसकी स्पोर्टी अपील बढ़ाता है। कार की एयरोडायनामिक्स को बेहतर कर इसकी फ्यूल एफिशिएंसी में बड़ा सुधार किया गया है। इसमें 660सीसी का 3-सिलेंडर पेट्रोल इंजन है जो नेचुरली एस्पिरेटेड और माइल्ड-हाइब्रिड विकल्प में मिलता है। हाइब्रिड वर्जन का माइलेज अब 28.2 किलोमीटर प्रति लीटर है, जो इसे जापान की सबसे ज्यादा माइलेज देने वाली हाइब्रिड मिनी कार बनाता है। इंटीरियर में भी पहले से अधिक प्रीमियम फीचर्स जोड़े गए हैं जैसे 7-इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, जो 'सुजुकी कनेक्ट' एप से स्मार्टफोन के जरिए कंट्रोल हो सकता है। हाइब्रिड वेरिएंट में लेदर फिनिश स्टीयरिंग व्हील, क्रोम डोर हैंडल्स और अपग्रेडेड स्टील व्हील्स मिलते हैं। सेफ्टी के लिहाज से इसमें अडास टेक्नोलॉजी, डुअल सेंसर ब्रेक सपोर्ट-2, लेन डिपार्चर प्रिवेंशन और ट्रैफिक लाइट डिपार्चर नोटिफिकेशन जैसे एडवांस फीचर्स दिए गए हैं।

भारतीय ग्राहकों का किआ के सभी मॉडल्स को मिला अच्छा रिस्पॉन्स

नई दिल्ली।

किआ कंपनी के लगभग सभी मॉडल्स को भारतीय ग्राहकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। इन मॉडलों में सोनेट और सेल्टोस ने खासतौर पर जबरदस्त लोकप्रियता हासिल की है। कंपनी अब कई नए मॉडल्स को लॉन्च करने की योजना बना रही है। इनमें कुछ मौजूदा पॉपुलर कारों के अपडेटेड वर्जन भी शामिल होंगे और साथ ही इलेक्ट्रिक मॉडल्स भी पेश किए जाएंगे। कंपनी की आने वाली गाड़ियों में सबसे ज्यादा चर्चा किआ कैरेंस क्लैविस ईवी की है। यह मोस्ट-अवेटेड इलेक्ट्रिक एमपीवी 15 जुलाई को भारतीय बाजार में पेश की जाएगी। इसमें 450 किलोमीटर से ज्यादा की ड्राइविंग रेंज मिलने की उम्मीद है, जो ग्राहकों के लिए बड़ा आकर्षण साबित हो सकता है। इसके अलावा, किआ अपनी बेस्ट-सेलिंग एसयूवी सेल्टोस के फेसलिफ्ट वर्जन पर भी काम कर रही है। इसे भारतीय सड़कों पर कई बार टेस्टिंग के दौरान देखा जा चुका है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, नई सेल्टोस में हाइब्रिड पावरट्रेन का विकल्प दिया जा सकता है और इसे 2025 के आखिर या 2026 की शुरुआत में लॉन्च किए जाने की संभावना है। तीसरी अपकमिंग कार किआ साइरोस का इलेक्ट्रिक वैरिएंट है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बर्मिंघम में संदिग्ध पैकेट मिलने के बाद भारतीय क्रिकेटरों की सुरक्षा बढ़ी

बर्मिंघम। भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले बर्मिंघम में एक संदिग्ध पैकेट मिलने के बाद भारतीय टीम की सुरक्षा बढ़ा दी गयी है। इसके साथ ही भारतीय टीम के होटल से बाहर निकलने पर भी रोक लगा दी गयी। भारतीय खिलाड़ी आम-तौर पर घूमने के लिए आसपास के इलाकों में जाते हैं। भारतीय टीम जिस मुख्य इलाके में रुकी उसके के पास वाले इलाके में एक संदिग्ध पैकेट मिला है। पुलिस ने सोशल मीडिया पर कहा कि हालात सामान्य हैं पर वह अपनी ओर से कोई कमी नहीं रखना चाहती है। भारतीय क्रिकेटर आमतौर पर टीम होटल के करीबीइलाकों में घूमते हैं और दूसरे टेस्ट के लिए यहां पहुंचने के बाद वे ब्रॉड स्ट्रीट पर जाते थे। अभी कुछ समय के लिए खिलाड़ियों के बाहर निकलने पर रोक रहेगी। वहीं भारतीय टीम ने कुछ खिलाड़ियों ने इस दौरान अभ्यास किया जबकि कुछ ने आराम किया। वहीं बर्मिंघम सिटी सेंटर पुलिस की ओर से कहा गया, ''हमने सिटी सेंटर के सेंटेनरी स्क्वायर के आसपास घेरा बनाया हुआ है और हम एक संदिग्ध पैकेट की जांच कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''हमें दोपहर तीन बजे से ठीक पहले ये जानकारी मिली थी। हमने सुरक्षा के तौर पर कई इमारतों को खाली भी कराया है। इस लिए इन क्षेत्रों में न जायें।।'' पुलिस ने एक घंटे के बाद सुरक्षा घेरा हटा लिया हालांकि उसके बाद भी भारतीय टीम के इन इलाकों में जाने पर रोक है।

टी20 विश्वकप के लिए 13 टीमें तय हुईं

बचे हुए 22 स्थानों के लिए 22 टीमों में होगा मुकाबला

मुम्बई।

अगले साल की शुरुआत में संयुक्त रुप से भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अभी तक 13 टीमें तय हो गयी हैं जबकि बचे हुए सात स्थानों के लिए 22 टीमों के बीच मुकाबला होना है। इस टूर्नामेंट में कुल 20 टीमों को खेलने का अवसर मिलेगा। हैं। इनमें से मेजबान भारत और श्रीलंका सहित कुल 13 टीमें घोषित को गयी हैं जबकि सात और टीमों की घोषणा इस साल अक्टूबर तक होगी। कनाडा की टीम ने इसके लिए क्वालीफाई कर लिया है जबकि यूरोप क्वालीफायर्स के जरिए दो टीमों पर फैसला होगा। ये टूर्नामेंट भी पिछले टूर्नामेंट के प्रारुप के अनुसार ही होगा। जिसके तहत पहले 20 टीमों को चार ग्रुप में बांटा जाएगा। इसके बाद सुपर 8 के मुकाबले होंगे और फिर सेमीफाइनल और फाइनल मैच खेले जाएंगे।

मेजबान के रूप में भारत और श्रीलंका को पहले दो स्थान मिले हैं। उसके बाद अगले 10 स्थानों का पिछले संस्करण में सुपर आठ क्वालीफायर और 30 जून 2024 की कट-ऑफ डेट पर टीम रैंकिंग के आधार पर हुआ।

पिछले टी20 विश्व कप 2024 में सुपर 8 में प्रवेश के कारण अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज को 2026 टी20 विश्व कप में जगह मिली। अमेरिका ने भी टॉप 8 में पाकिस्तान को हराकर प्रवेश किया था। सुपर 8 में नहीं पहुंचने के बाद भी पाक ने न्यूजीलैंड और आयरलैंड के साथ अपनी टी20ढ्ढ रैंकिंग के आधार पर अगले संस्करण में अपना स्थान तय किस है।

अब तक भारत, श्रीलंका, अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, कनाडा, इंग्लैंड, आयरलैंड, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका और वेस्टइंडीज ने इसके लिए प्रवेश हासिल किया है। इन टीमों के अलावा सात और टीमें इस टूर्नामेंट में खेलेंगी। एक तरह से देखा जाए तो 22 टीमों में बाकी के सात स्थानों के लिए मुकाबला होगा।

एशिया और पूर्वी एशिया पेसिफिक रीजन से तीन टीमें प्रवेश

करेंगी, जबकि दो-दो टीमें यूरोप क्वालीफायर और अफ्रीका क्वालीफायर से आएंगी। एशिया-ईस्ट एशिया पेसेफिक रीजन से जापान, कुवैत, मलेशिया, नेपाल, ओमान, पापुआ न्यू गिनी, कतर, समोआ और यूएई की टीमें क्वालीफायर्स खेलेंगी और इनमें से तीन टीमें सीधे टूर्नामेंट में प्रवेश करेंगी। वहीं, यूरोप क्वालीफायर्स में इटली, जर्सी, ग्वेर्नसे, नीदरलैंड और स्कॉटलैंड की टीम खेलेगी। इनमें से दो टीमें टी20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेंगी।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने दूसरा टी20 भी जीता

इंग्लैंड को 24 रनों से हराया

लंदन।

जेमिमा रॉड्रिग्स और अमनजोत कौर की शानदार बल्लेबाजी से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने दूसरे टी20 मुकाबले में मेजबान इंग्लैंड को 24 रनों से हराकर पांच मैचों की टी20 सीरीज में 2-0 की बढ़त ले ली है। भारतीय टीम ने पहला मैच भी 97 रनों से जीता था। इस मैच में टॉस जीतकर इंग्लैंड की टीम ने भारतीय टीम को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने भी इस मैच से वापसी की पर वह रन बनाने में विफल रहीं। टीम ने 31 रन देकर 3 विकेट खो दिए थे पर इसके बाद अनुभवी बल्लेबाज जेमिमा रॉड्रिग्स और अमनजोत कौर ने अच्छी बल्लेबाजी कर स्कोर आगे बढ़ाया।

जेमिमा ने 9 चौके और एक छक्का लगाकर 41 गेंदों में 63 रन बना दिये जबकि अमनजोत ने 40 गेंदों में 9 चौकों की सहायता से 63 रन बनाये। ऋचा घोष ने 20 गेंदों में 32 रन बनाए। भारतीय टीम ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 181 रन बनाये। इंग्लैंड की ओर से लॉरेन बेल ने दो जबकि लॉरेन फिलर और एम अरलॉट से एक-एक विकेट लिया। इसके बाद इंग्लैंड की टीम 182 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 20 ओवर में

7 विकेट पर 157 रन ही बना पायी इस प्रकार उसे 24 रनों से हार का सामना करना पड़ा। टैम ब्यूमोंट ने 54 जबकि एमी जोन्स ने 32 रन बनाये पर अन्य बल्लेबाज असफल रहीं। भारतीय टीम की ओर से श्री चरणी ने दो विकेट जबकि दीप्ती व अमनजोत ने एक-एक विकेट लिया।

एशिया कप 5 सितंबर से शुरु होगा !

7 सितंबर को हो सकता है भारत-पाक मुकाबला

मुम्बई।

एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट 2025 को लेकर अभी तक एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है पर माना जा रहा है कि ये टूर्नामेंट 5 सितंबर से शुरु होगा। एक रिपोर्ट के अनुसार इस टूर्नामेंट का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में किया जाएगा हालांकि इसका मेजबानी अधिकार भारत के पास ही रहेगा। रिपोर्ट के अनुसार इसमें भारत और पाकिस्तान का मुकाबला 7 सितंबर को हो सकता है। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम के अलावा, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और यूएई की टीमें भाग लेंगी। ये टूर्नामेंट टी-20 अंतरराष्ट्रीय प्रारुप में खेला जाएगा। इसमें पहले ग्रुप स्तर का मुकाबला होगा जिसके बाद सुपर फोर दौर खेला जाएगा। इसके बाद सुपर फोर की शीर्ष दो टीम 21 सितंबर को खिताबी मुकाबले में आमने-सामने होंगी। वहीं इससे पहले कहा जा रहा था कि भारत एशिया कप की मेजबानी से हट सकता है पर बाद में भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने इस प्रकार की अटकलों को खारिज कर दिया। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने इन रिपोर्टों को सिरे से खारिज करते हुए कहा, एशिया कप या किसी भी एसी भी इवेंट को लेकर बोर्ड ने कोई आधिकारिक चर्चा नहीं की है और न ही एसीसी को कोई पत्र लिखा गया है। इसमें ग्रुप स्तर के बाद भारत-पाकिस्तान की टीमें 14 सितंबर को सुपर-4 राउंड में भी मुकाबला कर सकती हैं।

इंग्लैंड ने टॉस जीता, भारत को दिया बल्लेबाजी का न्यौता

बुमराह के बगैर उतरी टीम, शार्दुल और साई सुदर्शन भी बाहर

लंदन।

मेजबान इंग्लैंड ने यहां दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में टॉस जीतकर भारतीय क्रिकेट टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया है। इंग्लैंड ने जहां इस मैच के लिए कोई बदलाव नहीं किया है। वहीं भारतीय टीम ने तीन बदलाव किये हैं।

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम दिया गया है। वहीं शार्दुल और साई सुदर्शन को बाहर कर दिया है। शार्दुल और सुदर्शन पहले टेस्ट में असफल रहे थे। वहीं इस मैच में आकाश दीप, वॉशिंगटन सुंदर और नीतीश रेड्डी को शामिल किया गया है। कप्तान शुभमन गिल ने कहा है कि बुमराह को कार्यभार प्रबंधन के तहत आराम दिया गया है जिससे उनकी फिटनेस पूरे समय बरकरार रहे। उनकी जगह तेज गेंदबाज आकाशदीप को अवसर मिला है। बुमराह पांच टेस्ट की सीरीज में केवल तीन मुकाबले खेलेंगे। इंग्लैंड सीरीज में 1-0 से आगे है। भारत को लीड्स में पांच विकेट से हार मिली थी।

वहीं आकाशदीप के अलावा ऑलराउंड नितीश कुमार रेड्डी और स्पिन ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर को भी अंतिम ग्यारह में जगह मिजी है जबकि साई सुदर्शन और शार्दुल ठाकुर को बाहर कर दिया गया है।

एजबेस्टन की पिच से शुरुआत में तेज गेंदबाजों को सहायता मिलेगी। वहीं बाद में विकेट धीमे होने पर बल्लेबाजी आसान हो जाएगी।

मैच के अंतिम दो दिन में स्पिनरों को सहायता मिलेगी। मैच के दौरान मैसम ठीक रहेगा हालांकि बादल छाये रहने की संभावना है।

इंग्लैंड अंतिम ग्यारह

बेन स्टोक्स (कप्तान), जैक क्राउली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, जैमी स्मिथ, क्रिस वोक्स, बायडन कार्स, शोएब बशीर और जोश टंग.

भारत अंतिम ग्यारह

शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, करुण नायर, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, रवींद्र जड़ेजा, वाशिंगटन सुंदर, आकाश दीप, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा।

संक्षिप्त समाचार

शमी को हर माह पत्नी व बेटी को देने होंगे चार लाख रुपये - हाईकोर्ट

कोलकाता।

कोलकाता हाईकोर्ट ने क्रिकेटर मोहम्मद शमी को हर माह अपनी पत्नी हसीन जहां व बेटी आयरा को गुजारा भत्ता के तौर पर चार लाख रुपये देने के निर्देश दिये हैं। निर्देश के तहत शमी को पत्नी को डेढ़ लाख और बेटी को ढाई लाख हर महीने खर्चे के लिए देने होंगे। हाईकोर्ट की बेंच ने हसीन जहां की एक याचिका पर सुनवाई के बाद ये आदेश पारित किया है। अदालत ने अपने आदेश में कहा, याचिकाकर्ता पत्नी को 1.5 लाख रुपये प्रति माह और बेटी को 2.5 लाख रुपये प्रति माह दे। अदालत ने यह भी कहा कि शमी अपनी बेटी के लिए निर्धारित राशि से अधिक शिक्षा या अन्य खर्चों के लिए दे सकते हैं। इससे पहले हसीन जहां ने जिला सत्र न्यायालय के आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की थी, जिसमें शमी को 2023 में अपनी पत्नी को 50 हजार रुपये और बेटी को 80 हजार रुपये देने का निर्देश दिया गया था। वहीं हसीन ने अदालत से अपने लिए 7 लाख रुपये और अपनी बेटी के लिए 3 लाख रुपये प्रति माह का मुआवजा मांगा था। हसीन साल 2014 में शमी से शादी से पहले कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के लिए मॉडल और चीयरलीडर रही हैं। उनकी बेटी आयरा का जन्म 2015 में हुआ था। हसीन ने शमी पर साल 2018 में घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाया था। तभी से दोनो के बीच मामला अदालत में चल रहा है। इन दोनो का अभी तक कानूनी रूप से तलाक नहीं हुआ है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि शमी ने अपने परिवार का खर्च चलाने के लिए पैसे देना बंद कर दिया था।

साक्षी, जैस्मिन और लक्ष्य विश्व मुक्केबाजी कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

अस्ताना।

भारतीय मुक्केबाजों साक्षी, जैस्मिन, मीनाक्षी और लक्ष्य चाहर व मनीष राठौर ने कजाकिस्तान में जारी विश्व मुक्केबाजी कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। इस टूर्नामेंट में महिलाओं के 54 किग्रा भार वर्ग में साक्षी ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में इंग्लैंड की चार्ली डेविसन को 5-0 से हराया। साक्षी के अलावा जैस्मिन ने 57 किग्रा वर्ग में अजरबैजान की अयनुर मिकायिलोवा को 5-0 से हराकर अंतिम आठ में प्रवेश किया। महिलाओं के ही वर्ग में भारत की मीनाक्षी ने लाइट-फ्लाईवेट श्रेणी में ऑस्ट्रेलिया की मैडेलीन बोवेन को 5-0 से पराजित किया जबकि मुस्कान ने मिडिलवेट श्रेणी में इंग्लैंड की केरी डेविस को करीबी मुकाबले में 3-2 से हराकर अगले दौर में जगह बनायी है। दूसरी ओर पुरुष वर्ग में भारत के लक्ष्य ने 80 किग्रा वर्ग में बुल्गारिया के विलियम चोलोव को 4 -1 से हराया। वहीं भारत के ही मनीष राठौर को 55 किग्रा वर्ग में जापान के रुई यामागुची के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है।

धवन बोले शुभमन, ईशान के आने से अपना करियर समाप्त होने का अंदाजा हुआ

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने कहा है कि शुभमन गिल और ईशान किशन के आने के बाद ही उन्हें अपने करियर के समाप्त होने का अंदाज हो गया था। इसका कारण है कि शुभगन सभी प्रारुपों में अच्छा कर रहे थे। वहीं ईशान ने एक दौहरा शतक भी लगा दिया था। जब प्रदर्शन कमजोर हो गया तब उन्हें समझ आ गया कि अब उन्हें टीम में जगह नहीं मिलेगी। धवन ने साल 2013 में मोहाली की पिच पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 85 गेंदों में शतक लगाकर टेस्ट डेब्यू में सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड बनाया था। उनकी 187 रन की आक्रामक पारी सबसे आकर्षण का केन्द्र रही। 33 टेस्ट में कई अच्छी पारियां खेलने के बाद भी धवन का टेस्ट करियर ज्यादा समय नहीं चला। साल 2018 की इंग्लैंड सीरीज के बाद उन्हें टेस्ट टीम से बाहर कर दिया गया। इस क्रिकेटर के अनुसार उसने प्रयास किया पर तब वह अपने सर्वश्रेष्ठ दौर में नहीं थे। वहीं जब वह अपने करियर को देखते हैं तो उन्हें काई पछतावा नहीं होता। साथ ही कहा कि मैं पीछे देखता हूं तो खुश हूं कि मैंने जो हासिल किया, वो किसी सपने से कम नहीं हैं। धवन को टी-20 विश्व कप 2021 में जगह नहीं मिली पर वह समझ गये थे कि अब बदलाव तय है। इस क्रिकेटर ने कहा कि मैंने किसी को फोन नहीं किया क्योंकि मैं जानता था, हर किसी की अपनी सोच होती है और बात करने से कुछ नहीं होगा।

साल 2013 चैंपियंस ट्रॉफी से लेकर 2022 तक धवन भारतीय एकदिवसीय टीम के सलामी बल्लेबाज रहे। वहीं साल. 2015 विश्व कप, 2017 चैंपियंस ट्रॉफी सहित कई अवसरों पर इस क्रिकेटर ने सबसे ज्यादा रन बनाए।

काउंटी में ईशान ने लगातार दूसरे मैच में अर्धशतक लगाया

मैच के बाद भोजपुरी गाने पर डांस करते दिखे

लंदन।

भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन आजकल इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेल रहे हैं। ईशान भारत ए टीम के साथ यहां आये थे जिसमें अच्छे प्रदर्शन के आधार पर उन्हें काउंटी क्रिकेट में नॉटिंघमशायर ने अपने यहां शामिल कर लिया था। उसके बाद से वह लगातार छाये हुए हैं। ईशान ने काउंटी क्रिकेट चैंपियनशिप डिविजन 1 में लगातार दो मुकाबलों में अर्धशतक लगाये हैं। लीग के दूसरे मुकाबले में ईशान ने तेजी से बल्लेबाजी करते हुए 128 गेंदों में ही 77 रन बनाए हैं। अपनी इस पारी में ईशान ने 8 चौके और 2 छक्के लगाए। वहीं इससे पहले मैच में भी ईशान ने अर्धशतकीय पारी खेली थी। यॉर्कशायर के खिलाफ इस डेब्यू मैच में ईशान ने 98 गेंदों में 87 रन बनाये। इस पारी में इन्होंने 12 चौके और एक छक्का लगाया। इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट चैंपियनशिप डिविजन 1 का 42वां मैच नॉटिंघमशायर और समरसेट के बीच खेला जा रहा है। इस मैच में सोमरसेट ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 379 रन बनाए। वहीं नॉटिंघमशायर ने इसका पीछा करते हुए 125 ओवर में ही 5 विकेट के नुकसान पर 396 रन बना दिये। नॉटिंघमशायर ने ईशान की बल्लेबाजी से पहली पारी में ही 17 रनों की बढ़त हासिल कर ली। ईशान काउंटी मैच में लंदन की सड़कों पर भोजपुरी गाने पर डांस करते भी दिखे। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ हैं। . ईशान किशन के साथी क्रिकेटरों का भी कहना है कि जब भी उन्हें अवसर मिलता है वह भोजपुरी गाने पर डांस करने लगते हैं।

ऋषभ ने हासिल किये 801 रेटिंग अंक , बूमराह शीर्ष पर बरकरार

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में भारतीय टीम के विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत एक स्थान के लाभ के साथ ही छठे स्थान पर पहुंच गए। ऋषभ को पहले टेस्ट में लगाये दो शतकों का लाभ मिला है। उनके अब सर्वश्रेष्ठ 801 रेटिंग अंक हो गये हैं। वहीं नंबर एक पर चल रहे इंग्लैंड के जो रूट के 889 अंक हैं। ऋषभ इससे पहले जुलाई 2022 में करियर की सर्वश्रेष्ठ पांचवीं रैंकिंग पर पहुंचे थे। वहीं गेंदबाजी रैंकिंग में भारत के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह 907 रेटिंग अंक के साथ नंबर एक पर बने हुए हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की पहली पारी में पांच विकेट लिए थे। बल्लेबाजी रैंकिंग में भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल चौथे स्थान पर बने हुए हैं जबकि कप्तान शुभमन गिल एक स्थान नीचे आकर 21वें पायदान पर फिसल गये हैं। वहीं इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट आठवें स्थान पर पहुंच गये हैं। वहीं गेंदबाजी रैंकिंग में दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा और ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस दूसरे और तीसरे स्थान पर बने हुए हैं जबकि जोश हेजलवुड एक स्थान के लाभ से चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। भारत के ही रविंद्र जडेजा टेस्ट ऑलराउंडर की सूची में नंबर एक पर बरकरार हैं। वहीं वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज जेडन सील्स भी एक स्थान के सुधार के साथ नौवें स्थान पर पहुंच गए हैं

सैमी बोले अपने बयान पर कायम हूं, मैच अधिकारियों ने भी मानी है गलती

बारबाडोस।

वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के कोच डैरन सैमी ने कहा है कि बारबाडोस टेस्ट के बाद टीवी अंपायर की आलोचना वाले अपने बयान पर वह बरकरार हैं। सैमी को इस कारण आईसीसी से भी सजा मिली थी। इसी को लेकर अब उन्होंने कहा कि मैच अधिकारियों ने भी अब ये माना है कि उस मैच में गलतियां हुईं थीं। सैमी का कहना है कि उन्हें अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक से किसी प्रकार की कोई शिकायत नहीं है। होल्डस्टॉक को इस मामले के बादद ग्रेनेडा में दूसरे टेस्ट के लिए मैदानी अंपायर बना दिया गया है।

पहले मैच में अंपायर की आलोचना के लिए सैमी पर मैच फीस का 15 फीसदी जुर्माना लगाये जाने के अलावा और उन्हें अंपायर पर सवाल उठाने के लिए एक नकारात्मक अंक भी दिया गया, था। इस मैच में रोस्टन चेज और शाई होप को लेकर दिये फैसलों पर सैमी ने सवाल उठाये थे। मैच के बाद रोस्टन और होने ने भी अंपायर के फैसलों पर नाराजगी जतायी थी पर उन्हें आईसीसी ने कोई सजा नहीं दी। सैमी ने इससे बाद खिलाड़ियों को मीडिया से बात करने से रोक दिया था।

साथ ही कहा, हमने मैच अधिकारियों के साथ बातचीत की थी। उन्होंने भी अपना रुख स्पष्ट करते हुए कुछ गलतियों को स्वीकार किया है। वह बारबाडोस था और अब हम ग्रेनेडा पहुंच गये हैं, इसलिए हमने उस बात को पीछे छोड़ दिया है। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें होल्डस्टॉक के बारे में अपने बयान के लिए खेद है सैमी ने कहा, मुझे कोई शिकायत नहीं है।

गेंदबाजों के बचाव में उतरे अश्विन

चेन्नई।

भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में मिली हार के लिए गेंदबाजों को जिम्मेदार बताने की आलोचना की है। अश्विन ने कहा कि जिस प्रकार से कहा जा रहा है गेंदबाजी कमजोर रही वह सही नहीं है। यहां तक कि कमेंट्री के दौरान भी गेंदबाजों पर ही निशान साधा गया उन्होंने कहा कि शुरुआती बल्लेबाजों ने शतक लगाये पर निचले क्रम के बल्लेबाज असफल रहे जिससे टीम बड़ा स्कोर नहीं बना पायी। अश्विन ने कहा है कि भारतीय गेंदबाजों के बारे में कमेंट्री अपमानजनक रही पर ये भी पुछा जाना चाहिये निचले क्रम के बल्लेबाजों ने रन क्यों नहीं बनाये? एक वीडियो में अश्विन ने कहा कि हार के बाद गेंदबाजों को हार के लिए दोषी बताया गया। उन्होंने बताया कि इंग्लैंड ने जिस तरह चौथी पारी में 370 रनों से ज्यादा स्कोर का पीछा किया है। उसमें सिर्फ गेंदबाजों की गलती नहीं थी। अश्विन ने कहा कि भारतीय बल्लेबाजों ने खेल में पांच शतक बनाए, लेकिन निचले क्रम के बल्लेबाज कुछ नहीं कर पाये। उन्होंने कहा, एक बार जब 370 से अधिक रनों के लक्ष्य का पीछा किया गया, तो मुझे लगा कि कमेंट्री भारतीय गेंदबाजों के बारे में अपमानजनक हो गई है। ऐसा कहा जाने लगा कि भारतीय गेंदबाज मैच जिताने में असफल रहे पर य नहीं भूलना चाहिये कि बल्लेबाजों को जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने गेंदबाजी को लेकर कहा, टेस्ट में, मुझे लगता है कि मेडन ओवर्स को काफी कम आंका जाता है। मुझे जसप्रीत बुमराह द्वारा हाई इकॉनमी रेट के साथ जाने में कोई दिक्कत नहीं होगी, लेकिन अन्य को कम जाना चाहिए। टेस्ट में, आपको पहले दिन से धीरे-धीरे अपनी गेंदबाजी को विकसित करना होता है और इसका लाभ अंतिम पारी में मिलता है।।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बजट में ट्रिप प्लान करने के लिए जरूरी है कि आप सही लोकेशन का चुनाव करें

सिंगल मदर्स के लिए बच्चे की परवरिश करना आसान नहीं होता है। क्योंकि उनकी जिंदगी में ऐसी कई परेशानियां आती हैं, जिन्हें वह अकेले मैनेज करती हैं। लेकिन सिंगल मदर्स अपने बच्चे को हर खुशी देने की कोशिश करती हैं। इस समय गर्मी की छुट्टियां चल रही हैं और बच्चे घूमने जाने की जिद करते हैं। ऐसे में मां अपने बच्चे के लिए भी ट्रिप प्लान करती हैं। लेकिन सवाल यह है कि वह कम बजट में ट्रिप कैसे प्लान करें। क्योंकि उन्हें अकेले ही घर और बाहर सब मैनेज करना होता है। वहीं अगर आप भी सिंगल मदर हैं और बजट में ट्रिप प्लान करने में परेशान हो रही हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे हैक्स बताने जा रहे हैं, जिनको फॉलो करके आप सिर्फ 10 हजार रुपए में घूमने का प्लान बना सकती हैं।

ऐसे प्लान करें ट्रिप

बजट में ट्रिप प्लान करने के लिए जरूरी है कि आप सही लोकेशन का चुनाव करें। क्योंकि सही लोकेशन आपके बजट को कम करती है। भले ही आप इन जगहों पर घूम चुकी हों, लेकिन बच्चे के लिए आप किसी सस्ती जगह का चुनाव कर सकती हैं।

वहीं सिंगल मदर्स को ऐसी जगह का चुनाव करना चाहिए, जहां पर अच्छी सुविधा और सुरक्षा के लिहाज से भी ठीक हो। जहां पर सस्ते ऑटो या कैब आदि आसानी से मिल सकें। जैसे पहाड़ों वाली जगह पर हर चीज का दाम अधिक रहता है। इन जगहों पर खाने-पीने से लेकर स्टे तक के साधन काफी महंगे होते हैं।

वहीं आपको अपने साथ कुछ खाने पीने की ऐसी चीजें रखनी चाहिए, जो जल्दी खराब न हों। ट्रिप के दौरान आप साथ में फल लेकर जा सकती हैं। इससे स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा और जल्दी भूख भी नहीं लगेगी।

बजट में घूमने के लिहाज से टूर पैकेज बेस्ट ऑप्शन होते हैं

सही लोकेशन का चुनाव करने पर आपको होटल भी कम दाम में मिल जाते हैं और यहां पर पहुंचना भी आसान होता है।

अधिकतर सिंगल मदर्स शहर से बाहर नहीं जाना चाहती हैं, तो आप शहर में रहकर भी घूमने जाने का प्लान बना सकती हैं। आप शहर में बच्चे को ऐसी जगह घुमाएं, जहां पर बच्चे हमेशा से जाना चाहते थे। ऐसा करने से न सिर्फ ट्रैवल और होटल का खर्चा बचेगा, बल्कि शहर में रहकर बच्चे अपनी पसंदीदा जगह घूम सकेंगे।

दूसरे शहर में कम खर्चे के लिहाज से आप शेयरिंग के साधन से घूम सकती हैं। क्योंकि इसमें कम बजट होता है। वहीं बच्चों के साथ घूमने के लिए यह टिप्स आपकी यात्रा को आसान बना देगी।

देहरादून में करना चाहते कुछ तूफानी तो जरूर एक्सप्लोर करें ये जगहें, जमकर कर सकेंगे मस्ती

देहरादून एक ऐसी जगह है, जहां पर आपको खूबसूरत हिल स्टेशन मिलेंगे। यहां से हरिद्वार, ऋषिकेश, मसूरी और धनोल्टी जैसी कई जगहों पर आप जा सकते हैं। वहीं अगर आप देहरादून में कुछ रोमांचक अनुभव करना चाहते हैं। वहीं कुछ देहरादून में ऐसी जगहों की तलाश करना चाहते हैं, जहां पर कुछ अच्छी एक्टिविटी कर सकें। अगर आप भी देहरादून में कुछ तूफानी करना चाहते हैं, तो आपको आसपास के हिल स्टेशन पर घूमने जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको देहरादून की कुछ खूबसूरत जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

रॉबर्स केव देहरादून

देहरादून की यह आपको काफी रोमांचक लगेगी। क्योंकि इसकी बनावट लोगों को आकर्षित करती है। जिन लोगों ने पहले कभी गुफा वाली जगहों पर प्रवेश नहीं किया है, उनके लिए यह एडवेंचर्स साबित हो सकता है। क्योंकि यहां पर आपको पैदल जाना होगा। पैरों में पानी होता है और मछलियां आपके पैरों को छूती हैं। हालांकि शुरूआत में आपको गुफा में चलने में थोड़ा डर लग सकता है, लेकिन धीरे-धीरे अंदर जाते ही नॉर्मल लगने लगेगा। प्रयास करें कि आप सुबह-सुबह पहुंचें, क्योंकि यहां पर बहुत भीड़ लगती है। यह मसूरी के पास घूमने लायक अच्छी जगहों में से एक है।

रॉक क्लाइबिंग

अगर आप कुछ तूफानी करना चाहते हैं और बिना किसी सहारे के पेड़ पर चढ़ना चाहते हैं। तो आपको देहरादून में रॉक क्लाइंबिंग का लुत्फ उठा सकते हैं। यह सालन गांव में रॉक क्लाइबिंग करवाई जाती है। जहां पर आपको हर दिन भीड़ देखने को मिलेगी। आप यहां पर कैंपिंग के साथ कई तरह की एक्टिविटी भी कर सकते हैं। वहीं आप यहां पर पैकेज भी बुक कर सकते हैं और पूरा रात टेंट में बिता सकते हैं। इस दौरान आपको मिट्टी के बर्तन में खाना बनाना होगा और पूरी लाइफ कैंप की तरह जीना होगा। यह आपके लिए एक रोमांचक अनुभव हो सकता है।

मालसी डियर पार्क

अगर आप देहरादून में कुछ रोमांचक करना चाहते हैं, तो मालसी डियर पार्क जा सकते हैं। क्योंकि यह जगह आपको निराश नहीं करेगी। आप यहां पर जिप लाइनिंग और तरह-तरह की एक्टिविटी भी कर सकेंगे। बच्चों को भी यहां पर एक्टिविटी करवाई जाती है। वहीं अगर आप छोटा ट्रिप प्लान कर रही हैं, तो आपको यहां पर आपको भूलकर भी नहीं जाना चाहिए। यह देहरादून के पास घूमने वाली बेस्ट जगहों में से एक है।

भीड़ से दूर बेहद शांत है उत्तराखंड का ये हिल स्टेशन, जन्नत में आने का होगा एहसास

समर वेकेशन में हजारों लोग घूमने-फिरने के लिए निकल गए हैं। तो वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं, जिन्होंने अभी तक कोई ट्रिप प्लान नहीं कर पाए हैं। वह किसी पहाड़ी जगह पर घूमने जाना चाहते हैं, लेकिन लोकेशन नहीं ढूंढ पा रहे हैं। वहीं कुछ लोग ऋषिकेश-नैनीताल नहीं जाना चाहते हैं, क्योंकि इन जगहों पर समर वेकेशन में यहां पर पर्यटकों की अधिक भीड़ आती है। इसलिए अगर आप किसी ऐसी जगह की तलाश कर रहे हैं, जो नैनीताल और ऋषिकेश से भी अधिक सुंदर हो। तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उत्तराखंड की एक सबसे खूबसूरत जगह के बारे में बताने जा रहे हैं।

मुनस्यारी - अगर आप भी दिल्ली की गर्मी से परेशान होकर अपने परिवार के साथ उत्तराखंड में अच्छी जगह ढूंढ रहे हैं। तो फौरन आपको मुनस्यारी का ट्रिप प्लान करें। यहां की प्राकृतिक सुंदरता, ट्रेकिंग और ऊंचे पहाड़ों के लिए जाना जाता है। मुनस्यारी में गर्मियों में आपको अधिक भीड़ नहीं मिलने वाली है। क्योंकि मुनस्यारी काफी ऊंचाई पर स्थित है। नैनीताल से मुनस्यारी पहुंचने में आपको करीब 11 से 12 घंटे का समय लगता है। वहीं ऋषिकेश से भी यहां तक पहुंचने में करीब इतना ही समय लगेगा। यह मसूरी के पास घूमने के लिहाज से काफी अच्छी जगह है।

ऐसे पहुंचे मुनस्यारी

अगर आप दिल्ली से यात्रा करने का प्लान बना रहे हैं, तो बस से यात्रा करने के लिए अच्छा है। हालांकि इसमें ज्यादा समय लग सकता है।

अगर आप चाहें तो दिल्ली से देहरादून के लिए ट्रेन ले सकते हैं। फिर मुनस्यारी के लिए बस ले सकते हैं।

इसके साथ ही मुनस्यारी के लिए कैब की सुविधा भी मौजूद है। लेकिन इसमें खर्च ज्यादा होता है। वहीं अगर आप बजट में यात्रा करने का प्लान बना रहे हैं, तो बस से यात्रा करें।

आने-जाने में असुविधा न हो इसके लिए पहले से बस की बुकिंग कर लें। क्योंकि अधिक भीड़ होने पर आपको बस में सीट मिलने में मुश्किल हो सकती है।

दिल्ली से मुनस्यारी की दूरी करीब 604 किमी है। यहां पर पहुंचने में आपको 13-14 घंटे का समय लग सकता है।

प्रयास करें कि आप रात में बस ले लें। जिससे कि सुबह मुनस्यारी में ही आंख खोलें। इससे आपका सफर आराम से सोकर बीतेगा।

मुनस्यारी परिवार के साथ घूमने के लिहाज से काफी अच्छी जगह है।

प्रकृति, शांति और रोमांच का संगम है पार्वती घाटी में बसा कसोल

हिमाचल प्रदेश की पार्वती घाटी में बसा कसोल एक छोटा लेकिन बेहद खूबसूरत पर्यटन स्थल है, जो खासकर युवाओं, ट्रेकिंग प्रेमियों और विदेशी पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। समुद्र तल से लगभग 1,580 मीटर की ऊँचाई पर स्थित कसोल को ‘भारत का मिनी इज़राइल’ भी कहा जाता है, क्योंकि यहाँ बड़ी संख्या में इज़राइली पर्यटक आते हैं और यहाँ की संस्कृति में उनका प्रभाव देखा जा सकता है।

कसोल की खासियत

कसोल एक शांत और सुरम्य गाँव है, जो पार्वती नदी के किनारे स्थित है। यहाँ का वातावरण बेहद शांत, स्वच्छ और ठंडा होता है। ऊँचे पहाड़, घने देवदार के जंगल, कलकल बहती पार्वती नदी और रंग-बिरंगे कैफ़े इस स्थान को बेहद आकर्षक बनाते हैं।

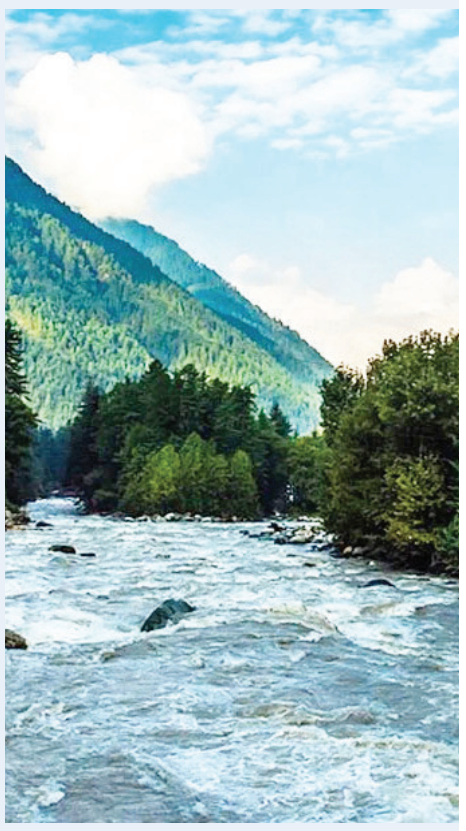

प्रमुख आकर्षण

1. पार्वती नदी

यह तेज बहाव वाली नदी कसोल की जान मानी जाती है। इसके किनारे टहलना, चट्टानों पर बैठकर मन को शांति देना और फोटोग्राफी करना पर्यटकों को बहुत पसंद आता है।

2. तोश और मणिकरण

कसोल से थोड़ी दूरी पर स्थित ये गाँव अपने प्राकृतिक सौंदर्य और धार्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध हैं। मणिकरण में गर्म पानी के झरने और गुरुद्वारा प्रमुख आकर्षण हैं, जबकि तोश ट्रेकिंग प्रेमियों का पसंदीदा गाँव है।

3. चालल गाँव

कसोल से लगभग 30 मिनट की पैदल दूरी पर स्थित यह छोटा गाँव ट्रेकिंग और कैम्पिंग के लिए आदर्श है। यहाँ आप स्थानीय संस्कृति को करीब से जान सकते हैं।

4. इज़राइली कैफ़े और भोजन

कसोल में कई इज़राइली कैफ़े और रेस्तराँ हैं जहाँ आप फलाफल, शाकशूका, हुम्मस आदि विदेशी व्यंजनों का आनंद ले सकते हैं।

कसोल में करने योग्य गतिविधियाँ

ट्रेकिंग (खीरगंगा, तोश, चालल, ग्रहन)

कैम्पिंग और बोनफायर

रिवर साइड कैफ़े में समय बिताना

स्थानीय लोगों से मिलकर पहाड़ी संस्कृति को समझना

हर्बल चाय और हिमाचली हस्तशिल्प की खरीदारी

यात्रा का उत्तम समय

मार्च से जून- गर्मियों में ठंडी जलवायु और ट्रेकिंग के लिए अनुकूल मौसम।

सितंबर से नवंबर- मानसून के बाद की हरियाली और साफ आसमान।

दिसंबर से फरवरी- बर्फबारी का आनंद लेने के लिए उत्तम।

कैसे पहुँचे कसोल?

हवाई मार्ग- निकटतम हवाई अड्डा भुंतर (कुल्लू) है, जो कसोल से लगभग 31 किमी दूर है।

रेल मार्ग- निकटतम रेलवे स्टेशन जोगिंदरनगर है, लेकिन सड़क मार्ग से पहुँचना अधिक सुविधाजनक है।

सड़क मार्ग- दिल्ली, चंडीगढ़ और मनाली से कसोल तक नियमित बस और टैक्सी सेवाएं उपलब्ध हैं।

कसोल एक ऐसा गंतव्य है जहाँ आप भीड़भाड़ से दूर प्रकृति के साथ एक गहरा रिश्ता बना सकते हैं। यहाँ का शांत वातावरण, रोमांचक ट्रेक्स, विदेशी भोजन और पहाड़ी सौंदर्य, हर पर्यटक को मंत्रमुग्ध कर देता है। चाहे आप सोलो ट्रैवलर हों, कपल या दोस्तों के साथ - कसोल हर किसी के लिए एक यादगार अनुभव है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अचानक हो रही मौतों का कोरोना टीकों से कोई संबंध नहीं: स्वास्थ्य मंत्रालय

अध्ययन में पुष्टि भारत में कोरोना वैक्सीन के टीके सुरक्षित और प्रभावी

कर्नाटक में अचानक हुई 20 से ज्यादा मौतों में वैक्सीन का दुष्प्रभाव नहीं

नई दिल्ली।

केंद्रीय परिवार एवं स्वास्थ्य कल्याण मंत्रालय ने कहा कि कोरोना वैक्सीन और हार्ट अटैक की वजह से होने वाली अचानक मौतों में कोई संबंध नहीं है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) और ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एम्स) के किए गहन अध्ययन के बाद मंत्रालय ने यह बात कही। कोरोना महामारी के बाद कई लोग चलते, फिरते, नाचते-गाते अचानक काल के गाल में समा रहे हैं। एक के बाद एक इस तरह के चौंकाने-डराने वाले वीडियो सामने आए और कई लोगों ने इन मौतों को कोरोना काल में लगे टीकों पर शक करना शुरू कर दिया था। मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि आईसीएमआर और नेशनल सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल (एनसीडीसी) की ओर से किए अध्ययन ने इसकी पुष्टि की है कि भारत में कोरोना वैक्सीन के टीके सुरक्षित और प्रभावी हैं। गंभीर साइड इफेक्ट्स के मामले बेहद दुर्लभ हैं।

वहीं हाल ही में कर्नाटक के हासन जिले में अचानक दिल का दौरा पड़ने से 20 से ज्यादा लोगों की मौत के बाद कोरोना वैक्सीन को लेकर बहस छिड़ गई। सोशल मीडिया से लेकर राजनीतिक गलियारों तक इसको लेकर सवाल उठने लगे कि कहीं इन मौतों का संबंध कोरोना वैक्सीन के दुष्प्रभावों से तो नहीं है? जब मामला गंभीर हो गया तो कर्नाटक सरकार ने इसकी जांच के लिए विशेषज्ञ समिति गठित कर दी, लेकिन अब देश के स्वास्थ्य मंत्रालय ने स्थिति स्पष्ट कर दी है। आईसीएमआर और एम्स ने रिसर्च

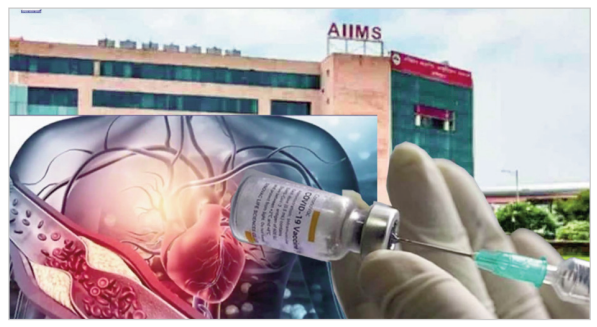

में साफ कर दिया है कि कोरोना वैक्सीन और कर्नाटक में हुई अचानक मौतों के बीच कोई संबंध नहीं है।

लिखी छाज शैलाश्रय वैज्ञानिकों के लिए बने आकर्षण का केंद्र

मुरैना।

जिले की जनपद पंचायत पहाड़गढ़ की ग्राम पंचायत निचली बेहराई अपने ऐतिहासिक महत्व के कारण खास मानी जाती है। वैज्ञानिकों के लिए यहां के लिखी छाज नामक शैलाश्रय आकर्षण का केंद्र हैं। वैज्ञानिकों का दावा है कि ये शैलाश्रय आसन नदी के किनारे स्थित हैं और करीब एक लाख साल पुराने हैं। माना जाता है कि इसी इलाके में आदिमानवों ने सबसे पहले बसेरा किया था। इन शैलाश्रयों में मौजूद चित्रों की उम्र लगभग 25 से 30 हजार साल आंकी गई है। मध्य प्रदेश के मशहूर भीम बेटका शैलचित्रों की उम्र रेडियो कार्बन जांच में करीब 12 हजार साल पाई गई थी, जबकि लिखी छाज के चित्र उनसे भी 10 हजार साल पुराने माने गए हैं। लिखी छाज की खोज करने वाले प्रोफेसर द्वारिकेश ने यहां पाए गए शैलचित्रों की उम्र 25 हजार साल से अधिक बताई थी। इसका साफ मतलब है कि इस क्षेत्र में आदिमानव युग की समृद्ध सभ्यता विकसित हुई थी और यह स्थान भीम बेटका से भी प्राचीन मानव जीवन का प्रमाण देता है। आसन नदी, जिसके किनारे ये ऐतिहासिक शैलाश्रय बने हैं, विजयपुर की सीमा से निकलती है और लिखी छाज तक आते-आते एक सुंदर झरने का रूप ले लेती है। यही इसकी प्राकृतिक खूबसूरती को और बढ़ा देती है। इस नदी का उल्लेख महाभारत में भी मिलता है। महाभारत में इसे अश्व नदी कहा गया है और यह वही नदी मानी जाती है जिसमें कुंति ने कर्ण को प्रवाहित किया था। बताया जाता है कि कुंति द्वारा छोड़ा गया वह मंजूषा आसन नदी से क्वारी, क्वारी से चंबल और फिर यमुना होते हुए गंगा तक पहुंची। आज यह नदी बरसात में ही अपने पुराने वैभव के साथ बहती है और मुरैना के कुतवार गांव की ओर जाती है, जिसे महाभारतकाल में कुंतलपुर कहा जाता था। ग्राम पंचायत के सचिव महेंद्र सिंह के अनुसार, लिखी छाज की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्ता को देखते हुए कई बार शासन के अधिकारी हेलीकॉप्टर से इसका निरीक्षण कर चुके हैं।

सार्क को रिप्लेस करने पाकिस्तान, चीन और बांग्लादेश के बीच एक त्रिपक्षीय बैठक

दक्षिण एशिया में नया गुट बनाने की कोशिश में ड्रैगन!

नई दिल्ली।

दक्षिण एशिया के राजनीतिक परिदृश्य में चीन और पाकिस्तान नया कूटनीतिक खेल करने की तैयारी में हैं। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान और चीन एक ऐसे प्रस्ताव पर काम कर रहे हैं जिसका उद्देश्य नया क्षेत्रीय संगठन बनाना है। ये नया संगठन दक्षिण एशियाई देशों के संगठन सार्क को बेदखल कर स्वयं उसकी जगह ले सकता है। इस प्रोजेक्ट के पीछे चीन का दिमाग काम कर रहा है। पाकिस्तान इस प्रोजेक्ट को सपोर्ट कर रहा है। गौरतलब है कि चीन में हाल ही में पाकिस्तान, बांग्लादेश और चीन के प्रतिनिधियों की एक बैठक हुई थी। इस घटनाक्रम से परिचित राजनयिक सूत्रों के हवाले से पाकिस्तान के एक अखबार ने खबर दी है कि इस्लामाबाद और बीजिंग के बीच वार्ता अब अग्रिम चरण में है। दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हैं कि क्षेत्रीय एकीकरण और संपर्क के लिए एक नया संगठन आवश्यक है। यह नया संगठन संभावित रूप से क्षेत्रीय ब्लॉक सार्क का स्थान ले सकता है। बता दें कि सार्क में भारत, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका शामिल हैं। चीन सार्क का सदस्य नहीं है। लेकिन अब नया संगठन बनाकर चीन दक्षिण एशिया के देशों पर कूटनीतिक और सामरिक प्रभाव हासिल करना चाहता है। सार्क के सभी देशों से चीन के गहरे आर्थिक और सामरिक संबंध हैं।

2016 से नहीं हुई है सार्क की मीटिंग

बता दें कि कभी दक्षिण एशियाई देशों का शक्तिशाली संगठन रहा सार्क आज नाम मात्र का संगठन रह गया है।

अहमदाबाद जैसा विमान हादसा होते-होते बचा.....जाने कैसे

नई दिल्ली।

अहमदाबाद विमान हादसे के कुछ ही दिनों बाद, 14 जून को एयर इंडिया का एक और विमान, बड़े हादसे का शिकार होते-होते बच गया। यह विमान दिल्ली से विएना के लिए उड़ान भर रहा था और टेकऑफ के तुरंत बाद 900 फीट की ऊंचाई से अचानक नीचे गिरने लगा। पायलटों को तुरंत वॉर्निंग मिली और उन्होंने समय रहकर विमान को संभाल लिया, इससे एक बड़ा हादसा टल गया। घटना की जानकारी तब सामने आई जब फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर की जांच की गई।

14 जून को एयर इंडिया की उड़ान सुबह 2 बजकर 56 मिनट पर दिल्ली से विएना के लिए उड़ान भरी थी। तब दिल्ली में खराब मौसम था और लगातार बिजली चमक रही थी। टेकऑफ के तुरंत बाद विमान में समस्याएँ आने लगीं। विमान को चेतावनी मिली। इसका मतलब था कि विमान 900 फीट की ऊंचाई से तेजी से नीचे गिर रहा था। सौभाग्य से, पायलटों ने स्थिति को संभाला और विमान को सुरक्षित रूप से विएना तक ले गए। इसके बाद यह विमान दूसरे क्रू मेंबर्स के साथ टोरंटो भी गया। शुरुआत में सिर्फ उड़ान के दौरान कुछ गड़बड़ियों की बात सामने आई थी। हालांकि, बाद में जब अधिकारियों ने फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर खंगाला, तब कई गंभीर बातें सामने आईं। डीजीसीए अब इस मामले की जांच कर रहा है। एयर इंडिया के सुरक्षा प्रमुख को भी पूछताछ के लिए बुलाया गया है। इसके अलावा, जांच पूरी होने तक विमान उड़ा रहे दोनों पायलटों को ड्यूटी से हटाया गया है।

आडवाणी की रथयात्रा के रुट पर बम लगाने वाले फरार दो आतंकी गिरफ्तार

आतंकी नेटवर्क और वर्तमान सहयोगियों का पता लगा रही पुलिस

कोयंबटूर।

कोयंबटूर पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने दो फरार आतंकियों को गिरफ्तार किया है। ये दोनों आतंकवादी करीब तीन दशकों से तमिलनाडु पुलिस की मोस्ट वांटेड सूची में शामिल थे और देश के दक्षिणी हिस्से में कई बम धमाकों में शामिल थे। पुलिस ने गुप्त सूचना और तकनीकी निगरानी के आधार पर दोनों को आंध्र प्रदेश के अन्नमय्या जिले से गिरफ्तार किया है। कोयंबटूर पुलिस को सूचना मिली थी कि नागोर निवासी अबुबकर सिद्दीक और मेलापलायम निवासी मोहम्मद अली बेंगलुरु में छिपे हैं। इसके बाद उनकी गतिविधियों पर निगरानी रखी गई और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस के जरिए उनकी लोकेशन ट्रेस की गई। पुलिस टीम ने आंध्र प्रदेश के अन्नमय्या जिले में छापा मारकर दोनों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए जाने के बाद उन्हें चेन्नई लाया गया, जहां उन्हें तमिलनाडु की क्यू ब्रांच, राज्य की एंटी-टेररिज्म स्क्वाड के हवाले कर दिया है। दोनों आतंकियों पर कई बड़ी आतंकी घटनाओं में शामिल होने के आरोप हैं। इनमें शामिल हैं 2011 में मदुरै के थिरुमंगलम में बीजेपी नेता लालकृष्ण आडवाणी की रथ यात्रा को निशाना बनाने के लिए पाइप बम लगाना। 1995 में चेन्नई के हिंदू मुनानी कार्यालय में बम विस्फोट करना। नागोर में बीजेपी नेता थंगम मुथुकृष्णन के घर पर पार्सल बम भेजकर हमला किया था। चेन्नई पुलिस कमिश्नर कार्यालय और कोयंबटूर पुलिस क्वार्टर्स में बम विस्फोट की साजिश रची थी। 2013 में बेंगलुरु के बीजेपी कार्यालय में बम विस्फोट किया था। जानकारी के मुताबिक इन दोनों के आतंकी नेटवर्क के कई पुराने और वर्तमान सहयोगियों की जानकारी मिल सकती है।

पुलिस पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या पिछले कुछ वर्षों में इन्होंने नए मॉड्यूल तैयार किए या अन्य राज्यों में भी नेटवर्क फैलाया। सूत्रों का मानना है कि इनकी गिरफ्तारी से तमिलनाडु और दक्षिण भारत के अन्य हिस्सों में हुई आतंकवादी गतिविधियों के कई मामलों में बड़ी जानकारी मिल सकती है।

रुस से व्यापार करने वाले देशों पर अमेरिका लगाएगा 500 फीसदी टैक्स

भारत और चीन 70 फीसदी रूस से खरीदते हैं तेल, दोनों देश सकते में

नई दिल्ली।

अमेरिका ने रूस के साथ व्यापार करने वाले देशों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। रूस की यूक्रेन के खिलाफ जंग के तीन साल बाद भी कुछ देश, खासकर भारत और चीन, रूस से तेल खरीद रहे हैं। इसके बाद अब अमेरिका में एक बिल को पेश किया गया है। इसमें रूस से व्यापार करने वाले देशों पर 500 फीसदी टैरिफ लगाने की बात कही जा रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस बिल को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन मिला है। इस बिल के पास होने से भारत जैसे देशों के लिए खतरा पैदा हो गया है, जो रूस से सस्ता तेल खरीद रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है ट्रंप ने इस बिल को जुलाई की छुट्टियों के बाद वोट के लिए लाने की हरी झंडी दे दी है। ये बिल रूस की जंगी मशीनरी को कमजोर करने और राष्ट्रपति पुतिन को यूक्रेन मसले पर बातचीत की मेज तक लाने का हथियार है।

ये बिल रूस से तेल और अन्य सामान खरीदने वाले देशों, खासकर भारत और चीन पर भारी-भरकम टैरिफ लगाने की बात कर रहा है। अमेरिकी सीनेटर का कहना है कि भारत और चीन, रूस का 70 फीसदी तेल खरीदते हैं। इस बिल के जरिए अमेरिका इन मुल्कों पर दबाव बनाना चाहता है ताकि वह रूस से व्यापार बंद कर दें। उन्होंने ये भी साफ किया कि बिल में ट्रंप के पास वीटो का अधिकार होगा, यानी वह इसे लागू करने या न करने का फैसला ले सकते हैं। इस बिल को 84 सीनेटरों का समर्थन मिला हुआ है। अमेरिरी सीनेटर ने कहा कि हम ट्रंप को एक ऐसा हथियार दे रहे हैं, जो उनके पास अभी नहीं है। ये बिल मार्च में पेश किया गया था, लेकिन व्हाइट हाउस की आपत्तियों और ट्रंप-पुतिन रिश्तों को सुधारने की कोशिशों के चलते इसे टाल दिया गया था। अब लगता है कि ट्रंप प्रशासन इस बिल को समर्थन देने को तैयार है। रूस-यूक्रेन जंग की शुरुआत में अमेरिका और यूरोपीय देशों ने रूस पर व्यापार प्रतिबंध लगाया था।

सच्ची धर्मनिरपेक्षता सभी धर्मों के साथ समान व्यवहार करने में है: गडकरी

नई दिल्ली।

केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि सच्ची धर्मनिरपेक्षता सभी धर्मों के साथ समान व्यवहार करने में है और हिंदुत्व किसी भी धर्म के खिलाफ नहीं है।

उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी का मानना है कि किसी व्यक्ति का महत्व उसकी जाति, धर्म या लिंग से नहीं, बल्कि उसके मूल्यों व चरित्र से तय होता है।

नितिन गडकरी मंगलवार को एक समारोह में पार्टी कार्यकर्ताओं से समाज सुधारकों ज्योतिबा फुले, शाहू महाराज और डॉ बी आर आंबेडकर के सामाजिक-आर्थिक समानता के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

हिंदुत्व कोई संकीर्ण शब्द नहीं है। धर्म का मतलब कर्तव्य है। एक शिक्षक कहता है कि मैं शिक्षक का धर्म मानता हूं, एक पत्रकार कहता है कि मैं पत्रकार का धर्म मानता हूं। यहां हिंदुत्व राष्ट्रवाद है, हिंदुत्व भारतत्व है।

हिंदुत्व किसी धर्म के खिलाफ नहीं है, जिस धर्मनिरपेक्षता का प्रचार किया जाता है उसका मतलब धर्मनिरपेक्षता कहा जाता है, लेकिन सही मायने में धर्मनिरपेक्ष शब्द का मतलब सभी धर्मों के बीच सद्भाव है। हमने समानता के आधार पर, सद्भाव के आधार पर संकल्प लिया है। हमारी राजनीति विकास की राजनीति है। हम पानी, उद्योग, कृषि, उद्योग आदि सभी क्षेत्रों में उड़ान भरना चाहते हैं।

समारोह में महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री रवींद्र चव्हाण को सर्वसम्मति से बीजेपी की महाराष्ट्र इकाई का नया अध्यक्ष चुना गया। उन्होंने कहा कि हिंदुत्व किसी भी धर्म के खिलाफ नहीं है। सच्ची धर्मनिरपेक्षता सभी धर्मों के साथ समान व्यवहार करने में निहित है। उन्होंने कहा कि हमें समाज से अस्पृश्यता और जातिवाद को पूरी तरह से खत्म करने की दिशा में काम करना चाहिए। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने सामाजिक सद्भाव बनाए रखने और सुशासन के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमें राजनीतिक शक्ति का उपयोग केवल चुनाव जीतने के लिए नहीं, बल्कि समाज में बदलाव लाने के लिए करना चाहिए। राष्ट्रीय प्रगति के लिए सामाजिक प्रगति आवश्यक है।

वहीं सीएम देवेंद्र फडणवीस ने शिवसेना विधायक आदित्य ठाकरे का नाम लिए बिना कहा कि हम वे लोग नहीं हैं जो बच्चों को अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में भेजते हुए हिंदी का विरोध करते हैं। अगर आप बॉम्बे स्कॉटिश में पढ़ते हैं और फिर हिंदी पर सवाल उठाते हैं, तो यह अस्वीकार्य है।

संक्षिप्त समाचार

कैब एग्रीगेटर्स के लिए नई गाइडलाइंस जारी, राज्य सरकारों को बेस फेयर तय करने का अधिकार

मुंबई।

कैब सर्विस लेने वालों के लिए अहम खबर है। अगर आप ऊबर, ओला, इनड्राइव या रैपिडो से सफर करते हैं, तब यह खबर आपके लिए हो सकती है। केंद्र सरकार ने कैब एग्रीगेटर्स के लिए नई गाइडलाइंस जारी की हैं, गाइडलांइस के मुताबिक अब ये कंपनियां पीक ऑवर्स में बेस फेयर का दोगुना तक किराया वसूल सकेंगी। पहले यह सीमा 1.5 गुना थी। वहीं नॉन-पीक ऑवर्स में किराया बेस फेयर का करीब 50 प्रतिशत रखा जाएगा। ड्राइवर या यात्री द्वारा बिना उचित कारण के बुकिंग रद्द करने पर अब किराए का 10 प्रतिशत (अधिकतम 100) जुर्माना लगेगा। यह राशि ड्राइवर और एग्रीगेटर के बीच साझा की जाएगी। इतना ही नहीं हर ड्राइवर के पास कम से कम 5 लाख का स्वास्थ्य बीमा और 10 लाख का टर्म इंश्योरेंस होना चाहिए। नई गाइडलाइंस में राज्य सरकारों को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है कि वे विभिन्न प्रकार के वाहनों जैसे कि ऑटो-रिक्शा और बाइक टैक्सी के लिए बेस फेयर तय करें। उदाहरण के तौर पर, दिल्ली और मुंबई में टैक्सी का बेस फेयर 20-21 प्रति किलोमीटर है, जबकि पुणे में 18 प्रति किलोमीटर है। सुरक्षा की दृष्टि से यह भी अनिवार्य किया है कि सभी वाहनों में लोकेशन और ट्रैकिंग डिवाइस लगे हों और उसका डेटा एग्रीगेटर व राज्य सरकार के कंट्रोल सेंटर से जुड़ा हो। साथ ही, हर ड्राइवर के लिए सालाना रिफ्रेशर ट्रेनिंग अनिवार्य होगी, जिन ड्राइवरों की रेटिंग सबसे कम 5 प्रतिशत में आती है, उन्हें हर तिमाही में प्रशिक्षण लेना जरूरी होगा, अन्यथा वे सेवा नहीं दे सकते है।

पाकिस्तान की गलती ने दो भारतीयों की जान ले ली

चंडीगढ़।

पाकिस्तान की गलती ने दो भारतीयों की जान ले ली। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के ड्रोन के टुकड़ों से घायल हुए पंजाब के एक बुजुर्ग की मौत हुई है। वह, डेढ़ महीने से ज्यादा समय से अस्पताल में भर्ती थे। खास बात है कि घायल हुईं उनकी पत्नी का पहले ही निधन हो गया था। रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को 65 साल से लखविंदर सिंह की लुधियाना स्थिति अस्पताल में मौत हो गई। वे फिरोजपुर जिले के खाई गांव के निवासी थे। इससे पहले 13 मई को पत्नी सुखविंदर कौर की भी मौत हो चुकी है। भारत-पाक संघर्ष के दौरान जम्मू और कश्मीर के बाहर हुई यह पहली आम नागरिक की मौत थी। दरअसल, ऑपरेशन सिंदूर के जवाब में पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ ड्रोन लांच किए थे। भारतीय वायुसेना ने इन्हें तबाह किया था। इनके मलबे से लखविंदर, सुखविंदर और उनका बेटा मोनू झुलस गया था। हालांकि, कुछ समय बाद ही मोनू को अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया था, लेकिन दोनों अस्पताल में गंभीर हालत में भर्ती रहे। शुरुआत में तीनों को फिरोजपुर शासकीय अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन बाद में लुधियाना स्थिति अस्पताल में शिफ्ट कर दिया था।

यूपी में स्कूलों को जोड़ने की नीति का एनएसयूआई कर रही विरोध

योगी सरकार ने निर्णय वापस नहीं लिया तो होगा बड़ा प्रदर्शन

लखनऊ।

नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) ने यूपी की योगी सरकार के 50 से कम छात्रों वाले प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्कूलों को पास के संस्थानों के साथ जोड़े जाने के हालिया फैसले के खिलाफ प्रदर्शन किया। एनएसयूआई का दावा है कि इस कदम से 27 हजार से ज्यादा स्कूल बंद हो जाएंगे। एनएसयूआई के मध्य क्षेत्र के अध्यक्ष अनस रहमान और पूर्वी क्षेत्र के अध्यक्ष ऋषभ पांडे के नेतृत्व में बड़ी संख्या में छात्रों ने विधानसभा की ओर मार्च किया। जब पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो प्रदर्शनकारियों की पुलिस से झड़प हुई। अनस ने कहा सरकार का लक्ष्य सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है। इसे बनाए रखने के बजाय, बीजेपी नेतृत्व वाली योगी सरकार असहमति को दबाने के लिए ग्रामीण छात्रों को शिक्षा से वंचित करना चाहती है। उन्होंने कहा कि अगर स्कूलों के समायोजन का निर्णय वापस नहीं लिया तो एनएसयूआई अगले 25 दिनों में बड़ा विरोध प्रदर्शन करेगी, जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी भी शामिल होंगे। पूर्वी क्षेत्र के अध्यक्ष ऋषभ पांडे ने योगी सरकार पर निजी स्कूलों का पक्ष लेने का आरोप लगाया।

अरुणाचल प्रदेश देश का सबसे बड़ा कार्बन सिंक बनकर उभरा

मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने खुद दी जानकारी

ईटानगर।

अरुणाचल प्रदेश देश का सबसे बड़ा कार्बन सिंक बनकर उभरा है। इसकी जानकारी अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने खुद दी है। सीएम ने बताया कि हिमालय की गोद में बसा अरुणाचल भारत के नेट-जीरो उत्सर्जन लक्ष्य में अहम भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने एक पोस्ट शेयर किया। इस पोस्ट में उन्होंने अरुणाचल को भारत का सबसे बड़ा कार्बन सिंक बताया। साथ ही कुछ डेटा भी शेयर किया है, जिसमें वन क्षेत्र, कार्बन अवशोषण और नेट-जीरो उत्सर्जन लक्ष्य के बारे में बताया गया है।

मुख्यमंत्री खांडू ने लिखा, भारत का सबसे बड़ा कार्बन सिंक- अरुणाचल प्रदेश। यहां 79 प्रतिशत वन क्षेत्र है, जो भारत के कुल कार्बन अवशोषण में 14.38 प्रतिशत योगदान दे रहा है। इसके अलावा, यहां 1,021 मिलियन टन कार्बन स्टॉक है, जो देश में सबसे अधिक है। हिमालय की गोद में बसे अरुणाचल प्रदेश की 2070 तक भारत के नेट-जीरो उत्सर्जन लक्ष्य में बेहद अहम भूमिका है।

राज्य के घने जंगल और जैव-विविधता न केवल जलवायु परिवर्तन से लड़ने में मदद कर रहे हैं, बल्कि पर्यावरण संतुलन को भी बनाए रख रहे हैं। अरुणाचल प्रदेश की यह पहल देश के अन्य राज्यों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत है, जो पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं।

बता दें कि अरुणाचल प्रदेश की सीमाएं असम, नागालैंड, म्यांमार, भूटान और उत्तर में तिब्बत से मिलती हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में बारिश से 18 की मौत, 57 घायल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में मानसून की बारिश ने 11 बच्चों सहित 18 लोगों की जान ले ली, जबकि 24 घंटे में बारिश से संबंधित घटनाओं में 57 लोग घायल हो गए। अब तक मानसूनी बारिश में कुल 45 लोग मारे गए हैं। प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) पंजाब ने सोमवार को कहा, अधिकांश मौतें जीर्ण शीर्ण इमारतों और उनकी छतें ढहने से हुईं। बारिश से 50 घर क्षतिग्रस्त हो गए। बिजली गिरने से खानेवाल, ओकारा में दो वयस्क और मंडी बहाउद्दीन में दो बच्चों की मौत हो गई।

सेना ने कैलिफोर्निया में तैनात 200 सैनिकों को वापस बुलाने की मांग की

लॉस एंजेलिस , एजेंसी। अमेरिकी सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से कैलिफोर्निया के लॉस एंजेलिस में चल रहे विरोध प्रदर्शनों में तैनात 200 सैनिकों को वापस बुलाने की मांग की है। यह मांग इसलिए की गई है ताकि सैनिकों को जंगल में लगी आग को बुझाने के काम में लगाया जा सके। यह जानकारी दो अमेरिकी अधिकारियों ने दी। दरअसल, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जून की शुरुआत में अवैध प्रवासियों के खिलाफ छापेमारी के विरोध में हो रहे प्रदर्शनों के जवाब में, गवर्नर गेविन न्यूसम की मर्जी के खिलाफ करीब 4,000 नेशलन गार्ड्स और 800 मरीन सैनिकों को लॉस एंजेलिस में तैनात किया था।

खैबर-पख्तूनख्वा में दो आतंकी घटनाओं में पांच लोगों की मौत

क्वेटा, एजेंसी। उत्तर पश्चिमी पाकिस्तान में दो अलग-अलग आतंकी घटनाओं में पांच लोग मारे गए। दोनों आतंकी घटनाएं खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के अशांत लक्की मरवात जिले में हुईं। पहली घटना में, एक गश्ती वाहन को निशाना बनाकर सड़क के किनारे किए गए बम विस्फोट में दो सैनिकों की मौत हो गई। शाहब खेल क्षेत्र में हुई दूसरी घटना में अज्ञात बंदूकधारियों ने तीन लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी।

ट्रंप ने कैबिनेट को क्यूबा के प्रति अमेरिकी नीति की समीक्षा करने का निर्देश दिया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने शीर्ष कैबिनेट अधिकारियों को क्यूबा पर वर्तमान प्रतिबंधों की जांच करने और 30 दिनों के भीतर उन्हें और कड़ा करने के तरीके सुझाने का आदेश दिया है। स्टेट, राजकोष, वाणिज्य, गृह, कृषि विभागों और लगभग हर दूसरी संघीय एजेंसी को सोमवार को भेजे गए ज्ञापन में ट्रंप ने कहा कि समीक्षा में अमेरिका को द्वीप पर सभी पर्यटन को बंद करने के तरीकों की तलाश करनी चाहिए और साथ ही शैक्षिक पर्यटन को केवल अमेरिकी नागरिकों द्वारा आयोजित और संचालित समूहों तक सीमित करना चाहिए।

2018 में आग से नष्ट हुए राष्ट्रीय संग्रहालय को फिर से खोलेगा ब्राजील

ब्रासीलिया , एजेंसी। ब्राजील दो दिन बाद 2018 में आग से नष्ट हुए राष्ट्रीय संग्रहालय को फिर से खोलेगा। सोमवार को इसके पुनर्निर्मित भवन और संग्रह की एक झलक पेश की गई। ब्राजील के शिक्षा मंत्री कैमिलो सैन्टाना ने बताया कि संग्रहालय का पूर्ण नवीनीकरण 2027 के अंत तक पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि लगभग 95 मिलियन अमरीकी डॉलर का पुनर्निर्माण बजट सार्वजनिक और निजी कंपनियों के बीच विभाजित किया जा रहा है। बता दें कि यह भवन कभी एक शाही महल था जो संयुक्त पुर्तगाली और ब्राजील साम्राज्य की सीट के रूप में काम करता था।

सिंगापुर में दंगा भड़काने के आरोप में भारतवंशी को जेल

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर में एक भारतवंशी को दंगा भड़काने के आरोप में दो साल तीन महीने जेल की सजा सुनाई गई है। साथ ही तीन कोड़े मारने की भी सजा सुनाई गई है। कविंद राज कानन और 10 अन्य लोगों ने मोहम्मद इसरत मोहम्मद इस्माइल पर 20 अगस्त 2023 को हमला किया था। हमले में इसरत की मौत हो गई थी। इस मामले में भारतवंशी अश्विन पाचन पिल्लई ने इसरत को चाकू मारा था। पिल्लई पर हत्या का आरोप है और उसके मामले में सुनवाई चल रही है। गैंग के अन्य सदस्यों पर दंगा भड़काने का आरोप है।

अज्ञात कॉल से मेक्सिको के श्मशान में मिले 383 शव

मेक्सिको सिटी, एजेंसी। मेक्सिको में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। दरअसल एक अज्ञात व्यक्ति ने पुलिस को फोन करके एक श्मशान घाट में 383 शव होने की जानकारी दी। पुलिस ने जब मौके पर जाकर देखा तो उसे सच में श्मशान में 383 शव मिले। घटना मेक्सिको के सीमावर्ती शहर सिउदाद जुआरेज की है। अभियोजकों का कहना है कि जो शव मिले हैं, वो तीन या चार साल पुराने हैं। पुलिस ये पता लगाने की कोशिश कर रही है कि श्मशान में इतनी बड़ी संख्या में शव कहां से आए। पुलिस ने श्मशान घाट के मालिक और उसके कर्मचारी को गिरफ्तार कर लिया है। उष्णकटिबंधीय तूफान फ्लॉसी हुआ मजबूत, मेक्सिको के तट से टकरा सकता है।

तुर्किये में पैगंबर मुहम्मद का कार्टून बनाने पर विवाद

कार्टूनिस्ट समेत 4 गिरफ्तार, गृह मंत्री बोले- यह फ्रीडम ऑफ स्पीच नहीं

अंकारा, एजेंसी। तुर्किये में पैगंबर मुहम्मद का कार्टून छपने के बाद विवाद खड़ा हो गया है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, लेमन मैगजीन ने 26 जून को एक कार्टून पब्लिश किया था, जिसमें पैगंबर मुहम्मद और पैगंबर मूसा जैसे दिखने वाले दो शख्स को आसमान से गिरती मिसाइलों के बीच हवा में हाथ मिलाते हुए दिखाया गया था। इस कार्टून के सामने आने के बाद पूरे तुर्किये में लोगों का गुस्सा भड़क गया। गुस्साए लोगों ने इस्तांबुल में लेमन मैगजीन के ऑफिस के बाहर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। कुछ प्रदर्शनकारियों ने, जो एक इस्लामिक संगठन से जुड़े बताए जा रहे हैं, पत्रिका के दफ्तर पर पत्थरबाजी भी की। घटना के बाद तुर्किये के गृहमंत्री अली येरलिकाया ने बयान जारी कर कहा कि यह प्रेस की आजादी या अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं है, बल्कि धार्मिक भावनाओं का अपमान है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने कार्टून बनाने वाले कार्टूनिस्ट डोगन पहलवान को गिरफ्तार कल लिया है। इसके अलावा लेमन के चीफ एडिटर, मैनेजिंग एडिटर और ग्राफिक डिजाइनर की भी गिरफ्तारी हुई है। तुर्किये के न्याय मंत्री यिलमाज टुंक ने कहा

कि इस तरह के कार्टून धार्मिक भावनाओं और सामाजिक सौहार्द का अपमान करते हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि कोई भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का बहाना बनाकर किसी धर्म के प्रतीकों का अपमान नहीं कर सकता। गृह मंत्री येरलिकाया ने कहा कि वे पैगंबर साहब का मजाक उड़ाने वाले इस शर्मनाक कार्टून की निंदा करते हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की हरकतें हमारे धार्मिक भावनाओं का अपमान करती हैं। मुसलमानों के दिल को ठेस पहुंचाती हैं। ये काम लोगों को भड़काने वाले हैं, और जो ऐसा करने की कोशिश करेंगे, उन्हें कानून के सामने जवाब देना होगा। उन्होंने एक वीडियो भी शेयर किया जिसमें कार्टूनिस्ट को हथकड़ी लगाकर सीढ़ियों पर ले जाया जा रहा है।

लेमैन मैगजीन ने सोशल मीडिया पर माफी मांगी : तुर्किये में धर्मनिरपेक्ष कानून लागू है, लेकिन वहां पर किसी के धार्मिक मूल्यों का सार्वजनिक रूप से अपमान करने पर एक साल तक की जेल हो सकती है। हालांकि विवाद बढ़ने पर लेमैन मैगजीन ने सोशल मीडिया पर माफी जारी की और कहा कि कार्टून का मकसद इस्लाम का अपमान करना नहीं था। लेमैन मैगजीन ने दावा किया कि कार्टून का उद्देश्य इजराइली हमलों में मारे गए मुस्लिमों के दर्द को दिखाना था, न कि पैगंबर का मजाक उड़ाना। उन्होंने कहा कि 'मुहम्मद' नाम का इस्तेमाल इसलिए किया गया क्योंकि यह दुनिया भर में मुसलमानों में सबसे आम नाम है, और कार्टून में पैगंबर को चित्रित नहीं किया गया है। लेमैन मैगजीन ने आरोप लगाया कि कुछ लोग जानबूझकर कार्टून का गलत मतलब निकालकर इसे विवादित बना रहे हैं। चार्ली हेब्दो कार्टून विवाद में 12 लोगों की जान गई थी यह घटना लोगों को 2015 में पेरिस में हुए चार्ली हेब्दो हमले की याद दिला रही है, जब पैगंबर मुहम्मद के कार्टून को लेकर फ्रांस की चर्चित कार्टून मैगजीन के ऑफिस पर हमला हुआ था। इसमें संपादक समेत 12 लोगों की जान चली गई थी। कई लोग घायल भी हुए थे। चार्ली हेब्दो लंबे समय से अपने विवादास्पद और तीखे राजनीतिक-धार्मिक कार्टूनों के लिए जाना जाता था। इस मैगजीन ने पैगंबर मुहम्मद के कार्टून कई बार छापे थे, जिन्हें मुसलमानों ने अपमानजनक और भड़काऊ माना। कट्टरपंथियों ने इसे इस्लाम का अपमान बताया और इसका बदला लेने के लिए मैगजीन पर हमला किया।

धर्मगुरु दलाई लामा 2 जुलाई को पुनर्जन्म की घोषणा कर सकते हैं

ल्हासा, एजेंसी। तिब्बती समुदाय के धर्मगुरु दलाई लामा का 90वां जन्मदिन सोमवार को धर्मशाला के

मैक्लोडगंज स्थित मुख्य तिब्बती मंदिर त्सुग्लाखांग में धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान केंद्रीय तिब्बती प्रशासन (सीटीए) के अध्यक्ष सिक्योंग पेंपा त्सेरिंग ने कहा, दलाई लामा 2 जुलाई को 'पुनर्जन्म' पर घोषणा कर सकते हैं। बता दें कि दलाईलामा कह चुके हैं कि इस बार अगले दलाईलामा का चयन उनकी मृत्यु से पहले ही हो सकता है, जो परंपरागत प्रक्रिया से अलग है। निर्वासित तिब्बती सरकार का मुख्यालय भी मैकलोडगंज में मौजूद है। ऐसे में दलाई लामा के जन्मदिवस का कार्यक्रम 2 जुलाई से ही शुरू होगा, जो तीन दिन तक चलेगा। इस दौरान धर्मशाला में तिब्बती बौद्ध लीडर्स का जमावड़ा देखने को मिलेगा। वैसे तो दलाई लामा का जन्मदिवस 6 जुलाई को है, लेकिन तिब्बती कैलेंडर के अनुसार दलाई लामा कल यानी 1 जुलाई को ही 90 वर्ष के पूरे हो जाएंगे। दलाई लामा ने उत्तराधिकारी पर तोड़ी थी चुप्पी बता दें कि दलाई लामा ने अपनी किताब वॉयस फॉर वायसलेस में चीन को तगड़ा झटका दिया था। उन्होंने साफ शब्दों में लिखा था कि उनका उत्तराधिकारी चीन के बाहर जन्म लेगा और मुमकिन है कि वो देश भारत होगा। दलाई लामा ने अपनी किताब में लिखा- पुनर्जन्म का उद्देश्य पूर्वाधिकार के कार्यों को आगे बढ़ाना है। ऐसे में नया दलाई लामा मुक्त संसार में जन्म ले सकता है, जिससे तिब्बती बौद्ध धर्म के आध्यात्मिक गुरु के साथ तिब्बती लोगों की आकांक्षाओं को मूर्त रूप देने वाले पारंपरिक मिशन को आगे बढ़ाया जा सके। बता दें कि 1959 में तिब्बत में विफल विद्रोह के बाद दलाई लामा भारत आ गए थे। 1989 में दलाई लामा को नोबल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। हालांकि, चीन दलाई लामा को अलगाववादी कहता है। ऐसे में दलाई लामा के उत्तराधिकारी की घोषणा से चीन की चिंता बढ़ सकती है।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान से लगी सीमा को किया बंद

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने सुरक्षा खतरों के कारण अफगानिस्तान से लगने वाली एक प्रमुख सीमा को अगले आदेश तक बंद कर दिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पाकिस्तान के सीनियर सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि खैबर पख्तूनख्वा के उत्तरी वजीरिस्तान जिले में शनिवार को हुए आत्मघाती हमले और अफगानिस्तान की सीमा से लगे प्रांत में झड़पों के बाद गुलाम खान सीमा को बंद कर दिया गया है। उन्होंने कहा, हमले के बाद उत्तरी वजीरिस्तान में निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है और सीमा गुलाम खान को अनिश्चित अवधि के लिए बंद कर दिया गया है। उत्तरी वजीरिस्तान जिले में शनिवार को हुए आत्मघाती हमले में कम से कम 13 सुरक्षाकर्मी मारे गए और तीन अन्य घायल हो गए थे। अंतरिम अफगान सरकार के सीमा बलों के प्रवक्ता अबीदुल्ला फारूकी ने सीमा बंद किए जाने की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी अधिकारियों ने इस कदम के लिए कोई स्पष्ट स्पष्टीकरण नहीं दिया है। फारूकी ने एक बयान में कहा, पाकिस्तानी अधिकारियों ने क्रॉसिंग पर वाहनों को केवल वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने का निर्देश दिया है। पाकिस्तान की ओर से गुलाम खान सीमा को बंद करने से अफगानिस्तान के लोगों पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। यह सीमा खोस्त प्रांत में स्थित दोनों देशों के बीच व्यापार और आवागमन का अहम मार्ग है।

सब धंधा बंद करके साउथ अफ्रीका ही लौटना पड़ेगा; डोनाल्ड ट्रंप की एलन मस्क को सबसे बड़ी धमकी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भरोसेमंद माने जाने वाले उद्योगपति एलन मस्क के भविष्य पर तलवार लटक रही है। ट्रंप ने उन्हें इशारों में धमकी दी है और कहा है कि उन्हें अपनी दुकान बंद करनी पड़ सकती है। चुनाव के बाद अमेरिकी प्रशासन में अहम जिम्मेदारी संभालने के बाद ट्रंप और मस्क के बीच रिश्ते तल्ख हो गए थे। इसकी वजह श्वङ्क यानी इलेक्ट्रॉनिक वाहनों को लेकर नीति बताई जा रही है।

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, राष्ट्रपति के तौर पर मेरा प्रचार करने से पहले एलन मस्क जानते थे कि मैं ईवी मेन्डेट के सख्त खिलाफ हूं। यह बकवास है और हमेशा मेरे प्रचार अभियान का हिस्सा रहा था। इलेक्ट्रिक कार ठीक हैं, लेकिन सभी को एक खरीदने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। एलन को इतिहास में किसी से भी यादा सब्सिडी मिल सकती थी और बगैर सब्सिडी के एलन को शायद अपनी दुकान बंद कर घर दक्षिण अफ्रीका लौटना पड़ सकता है।

उन्होंने आगे लिखा, कोई रॉकेट लॉन्च, सैटेलाइट्स या इलेक्ट्रिक कारों का उत्पादन नहीं और हमारे देश का काफी पैसा बचेगा। शायद डीओजीई को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। बहुत पैसा बचेगा।

नई पार्टी बनाने के संकेत : एक दिन पहले ही मस्क ने ट्रंप सरकार के बिल पर आपत्ति जताई थी और नई पार्टी बनाने के संकेत दिए थे। मस्क ने बताया कि पागलपन भरे विधेयक में

रिकॉर्ड पांच लाख करोड़ डॉलर की ऋण सीमा वृद्धि से आम अमेरिकियों को बहुत नुकसान होगा। उन्होंने लिखा, इस विधेयक के पागलपन भरे खर्च से यह स्पष्ट है जो ऋण सीमा को रिकॉर्ड पांच ट्रिलियन डॉलर (पांच लाख करोड़ डॉलर) तक बढ़ाता है कि हम एक पार्टी वाले देश में रहते हैं - पोर्की पिग पार्टी! एक नई राजनीतिक पार्टी बनाने का समय आ गया है जो वास्तव में लोगों की परवाह करती है। उन्होंने तर्क दिया कि यह विधेयक साबित करता है कि डेमोक्रेट और रिपब्लिकन एक ही पोर्की पिग पार्टी का हिस्सा हैं जो आम अमेरिकियों के हितों पर बेतहाशा खर्च को प्राथमिकता देती है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के पूर्व समर्थक मस्क ने कहा कि नई राजनीतिक पार्टी उन अमेरिकियों का प्रतिनिधित्व करेगी जो मौजूदा द्वि-पक्षीय प्रणाली से वंचित महसूस करते हैं। पहले भी दे चुके हैं धमकी खास बात है कि ट्रंप ने मस्क को ट्रुथ सोशल के जरिए ही अरबों को सरकारी कॉन्ट्रैक्ट और सब्सिडी खत्म करने की धमकी दी थी। इसके जवाब में मस्क ने एहसान भूलने का आरोप लगाया। मस्क ने कहा कि उनके समर्थन के बगैर ट्रंप चुनाव हार जाते। उन्होंने एक्स पर महाभियोग भी शुरू किया था और संकेत दिए थे कि नासा के इस्तेमाल में आ रहे स्पेस एक्स के ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट को अलग कर लेंगे। खास बात है कि मस्क यह भी दावा कर चुके हैं ट्रंप का नाम एप्सटीन फाइल्स में हैं। हालांकि, बाद में उन्होंने इन आरोपों का वापस ले लिया था।

बोइंग के सीएफओ ब्रायन वेस्ट देंगे इस्तीफा, कहा- बैलेंस शीट मजबूत, जिम्मेदारी सौंपने का यह सही समय

वॉशिंगटन, एजेंसी। विमान निर्माता कंपनी बोइंग में शीर्ष स्तर पर बड़ा बदलाव होने जा रहा है। कंपनी के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) ब्रायन वेस्ट अपने पद से इस्तीफा देंगे। वे 15 अगस्त को अपना पद छोड़ देंगे। उनकी जगह लॉकहीड मार्टिन कॉर्प के पूर्व कार्यकारी जीसस जे मालवे लेंगे। बोइंग ने कहा सीएफओ वेस्ट इस्तीफे के बाद सीईओ केल ऑर्टबर्ग के सलाहकार बने रहेंगे।

सीएफओ ब्रायन वेस्ट ने अपने पद छोड़ने की पुष्टि की और कहा कि यह जिम्मेदारी सौंपने का सही समय है। इस वक्त बैलेंसशीट बेहद मजबूत है, परिचालन प्रदर्शन बेहतर है। साथ ही संभावनाएं बेहद उत्साहजनक हैं। हम रिकवरी की दिशा में एक अच्छे, स्थिर और पूर्वानुमानित रास्ते पर हैं, जबकि हम बहुत ज्यादा जोर नहीं लगा रहे हैं। यह हमारी उम्मीद से थोड़ा बेहतर निकला है।

वेस्ट ने बोइंग को संकट से उबारा

सीएफओ ब्रायन वेस्ट ने बोइंग को संकट से उबारा है। पिछले साल बोइंग में

हड़ताल और विमान हादसे के बाद उत्पादन में गिरावट आ गई थी। इस वक्त वेस्ट ने पूंजी की कमी से निपटने और जंक स्टेट्स में संभावित रेटिंग डाउनग्रेड से कंपनी को बचाया था। वेस्ट ने बोइंग के नकद भंडार को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने 24 बिलियन डॉलर की इक्विटी बिक्री की थी, जो किसी सार्वजनिक कंपनी के लिए रिकॉर्ड के करीब है। उन्होंने इस साल जेप्पेसेन इकाई और अन्य डिजिटल परिसंपत्तियों की 10.6 बिलियन डॉलर की नीलामी की देखरेख करके अपने भंडार में इजाफा किया। इसके साथ ही वेस्ट ने ऋण और इक्विटी जुटाकर 44 बिलियन डॉलर से अधिक की बैलेंस शीट तैयार की थी।

ऑर्टबर्ग और मालवे ने साथ काम किया : बोइंग में पिछले साल केली ऑर्टबर्ग ने सीईओ के तौर पर काम संभाला था। नए सीएफओ जीसस जे मालवे पहले भी साथ काम कर चुके हैं। यूनाइटेड टेक्नोलॉजीज कॉर्पोरेशन में ऑर्टबर्ग कोलिन्स एयरोस्पेस डिवीजन का संचालन करते थे। जबकि मालवे यहां पर कैरियर डिवीजन के उपाध्यक्ष और सीएफओ थे। मालवे बोइंग की वित्तीय रणनीति, लंबी अवधि की व्यावसायिक योजना, निवेशक संबंध, ट्रेजरी, नियंत्रक और लेखा परीक्षा संचालन के साथ-साथ वैश्विक रियल एस्टेट होल्डिंग्स के लिए जिम्मेदार इकाई के नेतृत्व की जिम्मेदारी संभालेंगे। वह ऑर्टबर्ग को रिपोर्ट करेंगे और कंपनी की कार्यकारी परिषद में काम करेंगे।

इजरायली प्रधानमंत्री 7 जुलाई को जाएंगे अमेरिका, गाजा में सीजफायर को लेकर हो सकती है बात

यरुशलम , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सात जुलाई को व्हाइट हाउस में इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की मेजबानी करने जा रहे हैं। व्हाइट हाउस ने द इजरायल टाइम्स से इसकी पुष्टि की है। ट्रंप गाजा में युद्धविराम और बंधकों की रिहाई के लिए अपनी कोशिशें तेज कर रहे हैं। जनवरी 2025 में डोनाल्ड ट्रंप सत्ता में वापस लौटे थे, जिसके बाद यह नेतन्याहू की व्हाइट हाउस की तीसरी यात्रा होगी। यह मुलाकात गाजा में युद्ध विराम और ईरान की क्षेत्रीय गतिविधियों और राजनायिक संबंधों के विस्तार पर केंद्रित होगी।

व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने सोमवार को बताया कि ट्रंप और प्रशासन के अधिकारी इजरायली नेतृत्व के साथ लगातार संपर्क में हैं। गाजा संघर्ष को समाप्त करना राष्ट्रपति ट्रंप की प्राथमिकता है। लेविट ने कहा, इस युद्ध के दौरान इजरायल और गाजा, दोनों से जिस तरह की तस्वीरें सामने आई हैं, वह दिल दहला देने वाली हैं। राष्ट्रपति इसे खत्म होते देखना चाहते हैं। वह लोगों की जान बचाना चाहते हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में संघर्ष को खत्म करने पर नए सिरे से फोकस करने का संकेत देते हुए शुक्रवार को पत्रकारों से गाजा में अगले हफ्ते तक युद्धविराम की संभावना जताई थी।

नेतन्याहू की अमेरिकी यात्रा ईरान की न्यूक्लियर फैसिलिटी पर अमेरिकी हमले के बाद हो रही है।

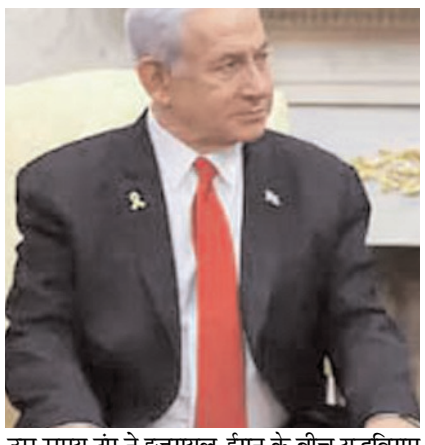

उस समय ट्रंप ने इजरायल-ईरान के बीच युद्धविराम कराने का दावा किया था। स्ट्रैटेजिक अफेयर्स मिनिस्टर रॉन डेरमर फिलहाल अमेरिकी अधिकारियों के साथ बैठक के लिए वाशिंगटन में हैं। नेतन्याहू ने गाजा युद्धविराम वार्ता के संबंध में दूसरी बैठक के लिए सोमवार शाम को अपने शीर्ष सहयोगियों और मंत्रियों को बुलाया है। इसमें शामिल मंत्रियों में से एक के कार्यालय ने बताया है कि ग्रुप एक रात पहले हुए टकराव के बाद भी गाजा में युद्ध के भविष्य पर किसी समझौते पर नहीं पहुंच पाया है।

हिंदू युवती से दुष्कर्म मामले में बांग्लादेश में तेज विरोध

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के कुमिल्ला के मुरादनगर में 26 जून 2025 को 21 वर्षीय हिंदू युवती के साथ हुई दुष्कर्म की घटना को लेकर देशभर में प्रदर्शन और सियासत तेज हो गई है। एक ओर जहां हिंदू संगठनों और मानवाधिकार संगठनों ने देशभर के कई शहरों में उग्र प्रदर्शन किया। उधर, राजनीतिक दलों में इस घटना पर विवाद छिड़ गया। पूर्व पीएम शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग और पूर्व पीएम खालिदा जिया की पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी ने आरोपी फजोर अली को एक-दूसरे का नेता बताकर आरोप लगाए। जमात-ए-इस्लामी ने भी इस मामले में बीएनपी को निशाना बनाया। पहले बांग्लादेश पुलिस और यूनुस समर्थकों ने इस मामले को एक्सट्रामैरिटल अफेयर बताने की कोशिश की। वहीं, कुमिल्ला के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एकेएम कमरुज्जमां ने जांच में इसे क्रूर यातना का मामला बताया। उन्होंने कहा कि पीड़ित सरल स्वभाव की है और एक्सट्रामैरिटल अफेयर का कोई सबूत नहीं मिला। इसके बाद अल्पसंख्यक समुदाय में गुस्सा फैल गया। ढाका यूनिवर्सिटी के छात्रों ने रात में विरोध मार्च निकाला। सात जिलों में हिंदू समुदाय ने मानव श्रृंखला बनाकर न्याय की मांग की।

कोर्ट ने घटना का वीडियो हटाने के आदेश दिए : हाईकोर्ट ने इस मामले में सख्त रुख अपनाते हुए पीड़ित की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आदेश दिया। जस्टिस फहमिदा कादर और जस्टिस सैयद जाहिद मंसूर की बेंच ने रविवार को एक रिट याचिका की प्रारंभिक सुनवाई के बाद यह निर्देश जारी किया। कोर्ट ने सभी सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म

से पीड़ित के वीडियो और तस्वीरें 24 घंटे के भीतर हटाने का आदेश दिया। पीड़ित को चिकित्सा और सुरक्षा प्रदान करने का निर्देश दिया। ढाका यूनिवर्सिटी में जगन्नाथ हॉल के छात्रों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों की मांग हैं...दुष्कर्म के मुख्य आरोपी फजोर अली और उसके साथियों को तुरंत सजा मिले और बिना किसी राजनीतिक हस्तक्षेप के केस चलाया जाए। यह घटना बीएनपीके लिए राजनीतिक रूप से संवेदनशील मुद्दा बन गई है, क्योंकि मुख्य आरोपी फजोर अली को पार्टी का नेता बताया गया है। बीएनपी महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की, लेकिन पार्टी ने यह कहकर दूरी बनाई कि फजोर अली का उनके किसी समिति से कोई संबंध नहीं है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में 14 वर्षीय छात्र की मौत मामले में DEO ने जांच समिति गठित की

परिवार ने 24 घंटे बाद शव स्वीकारा पुलिस ने स्कूल और रास्ते के CCTV की जांच शुरू की

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के साचिन क्षेत्र के तलंगपुर के पास तालाब से 1 जुलाई को लापता हुए कक्षा 9 के छात्र का शव बरामद हुआ था। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया था, जिस कारण फोरेंसिक पोस्टमॉर्टम करवाया गया। परिवार ने कार्रवाई न होने तक शव न स्वीकारने की बात कही थी। बाद में पुलिस द्वारा निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिए जाने पर परिवार शव स्वीकारने को राजी हुआ। घटना के 24 घंटे बाद परिवार ने शव स्वीकार किया। पुलिस ने अब स्कूल और छात्र से संबंधित रास्ते के CCTV फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है। साथ ही जिला शिक्षा अधिकारी (DEO) ने भी इस मामले में जांच समिति का गठन किया है।

सूरत के साचिन GIDC क्षेत्र की लक्ष्मी विला सोसायटी में रहने वाले आमोदभाई झा सीमेंट कंपनी में काम कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। उनके 14 वर्षीय बेटे मयंक को बोलने में थोड़ी परेशानी थी और वह कक्षा 9 में पढ़ता था। मंगलवार (1 जुलाई) को साचिन के तलंगपुर तालाब से मयंक का शव मिला, पास में उसकी साइकिल भी बरामद हुई थी।

फायर ब्रिगेड की टीम ने शव को तालाब से बाहर निकाल कर पुलिस को सौंपा।

परिवार ने गंभीर आरोप लगाए कि सोमवार सुबह मयंक स्कूल गया था, जहां एक कक्षा 12 के छात्र द्वारा उसे बोलने की समस्या को लेकर तंग किया गया। इस पर दोनों छात्रों के बीच कहासुनी हुई और आरोपी छात्र ने मयंक के साथ मारपीट की।

परिजनों का दावा है कि जब यह बात स्कूल के प्रिंसिपल तक पहुंची, तो उन्होंने भी मयंक को थप्पड़ मारा और बाद में उस छात्र ने मयंक को जान से मारने की धमकी दी थी।

सोमवार शाम मयंक चाय-नाश्ता करके साइकिल से घूमने निकला था, लेकिन जब वह देर तक घर नहीं लौटा तो परिजनों ने तलाश शुरू की और पुलिस को सूचना दी।

परिवार ने स्पष्ट कहा था कि उन्हें शक है कि मयंक की हत्या हुई है और जब तक उचित कार्रवाई नहीं होगी, वे शव स्वीकार नहीं करेंगे।

साचिनGIDC पुलिस ने सिविल अस्पताल में मयंक का फोरेंसिक पोस्टमॉर्टम कराया, जिसकी प्रारंभिक रिपोर्ट में डूबने से मौत की बात सामने आई है।

पुलिस अब परिजनों के आरोपों को ध्यान में रखते हुए स्कूल और रास्ते के CCTV फुटेज की जांच कर रही है।

साथ ही, जिला शिक्षा अधिकारी (DEO) ने भी एक विशेष जांच समिति का गठन कर पूरे मामले की शैक्षणिक और प्रशासनिक स्तर पर जांच शुरू कर दी है।

यह मामला अब सूरत में शिक्षा व्यवस्था, स्कूल प्रबंधन की भूमिका और छात्रों की सुरक्षा को लेकर गंभीर बहस और चिंता का विषय बन गया है।

उधना में एपी मार्केट की गैलरी गिरने से दो मजदूर दबे

जर्जर इमारत की मरम्मत के दौरान हुआ हादसा मलबे में फंसे मजदूर को निकाला गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के उधना-नवसारी रोड स्थित एपी मार्केट में आज दोपहर एक बड़ा हादसा हो गया। मार्केट की गैलरी का एक बड़ा हिस्सा अचानक ढह जाने से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे के समय मरम्मत कार्य कर रहे दो मजदूर मलबे में दब गए। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और सूरत महानगरपालिका के अधिकारी तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया गया।

यह मार्केट काफी जर्जर हालत में था और 2018 में सूरत महानगरपालिका ने इसे नोटिस जारी की थी। ऊपर की दो स्लैब्स को हटाने के लिए पहले भी दो बार नोटिस दी गई थी, लेकिन इसके बावजूद आज जब मरम्मत का कार्य चल रहा था, उस समय दूसरी मंजिल का स्लैब पहली मंजिल पर गिर गया,जिससे वजन बढ़ा और पूरा मलबा नीचे आ गिरा।

हादसे के तुरंत बाद फायर ब्रिगेड और पालिका की टीम मौके पर पहुंची। मलबे में दबे मजदूरों को बाहर निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। इस दौरान कई हृदय विदारक दृश्य सामने आए।

एक मजदूर मलबे से आधा बाहर दिखाई दे रहा था। फायर ब्रिगेड के जवानों ने कड़ी मशक्कत के बाद मलबा हटाकर दोनों मजदूरों को बाहर निकाला।

इनमें से एक मजदूर को सामान्य चोटें आईं, जबकि दूसरे मजदूर को गंभीर चोटें लगीं। उसे तुरंत उधना पुलिस की पीसीआर वैन में अस्पताल ले जाया गया।

हादसे के बाद फायर विभाग द्वारा एपी मार्केट को सील कर दिया गया है। यह मार्केट बेसमेंट, ग्राउंड फ्लोर समेत कुल चार मंज़िला था और इसमें लगभग 50 दुकानें थीं।

इस घटना ने शहरभर में सनसनी फैला दी है और जर्जर इमारतों की मरम्मत व सुरक्षा के मुद्दे पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

तीन राज्यों के एन.डी.पी.एस. मामलों में वांछित आरोपी को वलसाड एस.ओ.जी. ने गुजरात के आनंद से किया गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वलसाड,वलसाड जिले की स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एस.ओ.जी.) ने एक बड़ी सफलता प्राप्त करते हुए तीन राज्यों—गुजरात, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश—के एन.डी.पी.एस. अधिनियम के तीन गंभीर मामलों में पिछले तीन वर्षों से फरार चल रहे एक शातिर आरोपी को आनंद जिले के पेटलाद टाउन क्षेत्र से गिरफ्तार किया है।

पुलिस महानिरीक्षक प्रेमवीर सिंह (IPS) एवं वलसाड जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. करणराज वाघेला (IPS) के निर्देशन में जिले में गंभीर अपराधों में फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान कनैयालाल उर्फ काना पुत्र जगदीशचंद्र जाट (चौधरी) के रूप में हुई है, जो मूलतः राजस्थान के भीलवाड़ा जिले के सरगांव, थाना गंगापुर का निवासी है। वर्तमान में वह आनंद जिले के पेटलाद टाउन के शिव पगड़ी सोसायटी में रह रहा था।

इन मामलों में था फरार

1. डुंगरी पुलिस स्टेशन, वलसाड (गु.र.सं. 11200019221157/2022) – NDPS एक्ट की धारा 8(C), 20(B)(II)(C), 29 के तहत
2. आनंदनगर पुलिस स्टेशन, उस्मानाबाद, महाराष्ट्र (गु.र.सं. 344/2022) – NDPS एक्ट की धारा 20(B) के तहत
3. गोपालपट्टनम पुलिस स्टेशन, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश (गु.र.सं. 258/2022) – NDPS एक्ट की धारा 8(C), 21(A) के तहत

कार्रवाई में लगे अधिकारी

इस सफल अभियान में वलसाड एस.ओ.जी. टीम के पुलिस निरीक्षक ए.यू. रोज, पीएसआई बी.एच. राठौड़, एएसआई विक्रमभाई मनुभाई, हेड कांस्टेबल मोहम्मदसफी सुलेमानभाई तथा हेड कांस्टेबल किरीटसिंह धर्मशीभाई की अहम भूमिका रही।

टीम ने गुप्त सूचना और तकनीकी स्रोतों के आधार पर आरोपी के ठिकाने का पता लगाया और उसे आनंद जिले के पेटलाद क्षेत्र से गिरफ्तार किया। आगे की जांच व कानूनी कार्रवाई हेतु आरोपी को डुंगरी पुलिस स्टेशन को सौंपा गया है।

एस.ओ.जी. वलसाड की इस सफल कार्रवाई से यह स्पष्ट होता है कि जिला पुलिस गंभीर अपराधों में संलिप्त फरार आरोपियों को पकड़ने हेतु सतत सक्रिय है। यह कार्रवाई न केवल कानून व्यवस्था की दृढ़ता को दर्शाती है, बल्कि आम जनता का पुलिस पर विश्वास भी बढ़ाती है।

धोत्रे गैंग का सरगना शिवाराज धोत्रे महाराष्ट्र से गिरफ्तार, वलसाड और भरूच में घरफोड़ चोरी में था वॉन्टेड

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वलसाड जिले की लोकल क्राइम ब्रांच (एलसीबी) और वलसाड सिटी पुलिस स्टेशन की संयुक्त कार्रवाई में धोत्रे गैंग के सरगना शिवा उर्फ राजू चिन्नप्पा धोत्रे को महाराष्ट्र के विरार ईस्ट से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी वलसाड और भरूच में हुई दो बड़ी घरफोड़ चोरी की वारदातों में वॉन्टेड था।

इस गिरफ्तारी को पुलिस महानिरीक्षक श्री प्रेमवीर सिंह (IPS) और वलसाड एसपी डॉ. करणराज वाघेला (IPS) के निर्देशों और वलसाड एलसीबी के श्री उत्सव बारोट व सिटी पुलिस स्टेशन के PI डी.डी. परमार के मार्गदर्शन में अंजाम दिया गया। आरोपी की धरपकड़ के लिए LCB की अलग-अलग टीमें गठित कर तकनीकी और मानवीय खुफिया जानकारी के आधार पर कार्रवाई की गई।

गिरफ्तार आरोपी शिवा उर्फ राजू चिन्नप्पा धोत्रे (उम्र 47 वर्ष), मूलतः कर्नाटक के गुलबर्गा जिले का निवासी है और वर्तमान में विरार ईस्ट, महाराष्ट्र में रह रहा था। आरोपी को एलसीबी की टीम ने उसके विरार ईस्ट स्थित निवास से दबोचा और कानूनी प्रक्रिया पूरी कर वलसाड सिटी थाने को सौंप दिया गया।

पूछताछ में आरोपी ने लगभग ढाई महीने पहले अपने दामाद राहुल सिल्वराज मुपनार के साथ मिलकर वलसाड और भरूच शहरों में घरफोड़ चोरी की वारदातें करने की बात स्वीकार की है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी एक संगठित गैंग चलाता था, जो अलग-अलग स्थानों पर चोरी की घटनाओं को अंजाम देता था। इसी आधार पर IPC 2023 की संगठित अपराध की धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

वॉन्टेड केस विवरण:

1. वलसाड सिटी थाना FIR नं. 11200010250683/2025 – धारा 33-1(3), 305(ए)
2. भरूच ए डिवीजन थाना FIR नं. 11199010250362/2025 – धारा 305(ए), 33-1(3)

आरोपी का आपराधिक इतिहास:शिवा धोत्रे के खिलाफ महाराष्ट्र और गुजरात के विभिन्न थानों में कुल 13 आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें IPC की धाराएं 457, 380, 399, 402, 114, Arms Act आदि शामिल हैं।

PI श्री उत्सव बारोट (एलसीबी वलसाड), PI श्री डी.डी. परमार (वलसाड सिटी), PSI श्री जे.बी. धनेशा, एपीसी कुलदीपसिंह झाला, एपीसी हरदीपसिंह गोहिल, एपीसी विवेक गढ़वी तथा एएचसी सहदेवसिंह सोलंकी की टीम ने इस महत्वपूर्ण कार्रवाई को अंजाम दिया।

शिक्षकों पर हमले के मुद्दे पर सूरत में तीव्र प्रतिक्रियाएं

कलेक्टर को ज्ञापन देकर डॉक्टरों की तरह शिक्षकों के लिए भी विशेष कानून की मांग

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अहमदाबाद और वडोदरा की स्कूलों में असामाजिक तत्वों द्वारा किए गए उपद्रव और विशेष रूप से शिक्षकों पर हुए गंभीर हमलों के संदर्भ में सूरत में तीव्र प्रतिक्रियाएं देखने को मिली हैं। आज सूरत कलेक्टर कार्यालय में स्वनिर्भर स्कूल संचालक मंडल द्वारा स्कूलों की सुरक्षा के लिए तत्काल कदम उठाने और शिक्षकों को सुरक्षा प्रदान करने की मांग को लेकर एक ज्ञापन सौंपा गया।

हाल ही में अहमदाबाद की एक स्कूल में शिक्षक पर चाकू से हमला किए जाने की घटना सामने आई थी, जिसने पूरे शिक्षा जगत को झकझोर कर रख दिया है। इस घटना के बाद बच्चों, शिक्षकों और स्कूल स्टाफ की सुरक्षा को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े हो गए हैं।

स्वनिर्भर स्कूल संचालक मंडल ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे पूरी तरह से निंदनीय बताया।

ज्ञापन में मुख्य रूप से यह मांग की गई कि जैसे डॉक्टरों पर हमलों को रोकने के लिए विशेष कानून बनाया गया है, उसी तरह शिक्षकों की सुरक्षा के लिए भी विशेष कानून बनाया जाए। यह कानून शिक्षकों को स्कूल परिसर और ड्यूटी के दौरान सुरक्षा प्रदान करेगा और असामाजिक तत्वों को ऐसे हमले करने से रोकेगा।

स्वनिर्भर स्कूल संचालक मंडल के प्रतिनिधियों ने राज्य सरकार को संबोधित करते हुए जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा, जिसमें शिक्षा के इस पवित्र क्षेत्र में असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने और ऐसी घटनाओं में शामिल अपराधियों पर सख्त कानूनी कदम उठाने की मांग की गई।

सूरत की टेक्सटाइल मार्केट बनी 'धोबीघाट'

हजारों साड़ियों को सुखाने के लिए लगाई गई रस्सियां और पंखे, भारी बारिश और खाड़ीपूर से करोड़ों का नुकसान

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में लगभग 10 दिन पहले आई खाड़ीपूर (समुद्री जलभराव) ने सबसे ज़्यादा नुकसान टेक्सटाइल मार्केट के व्यापारियों को पहुँचाया है। 1000 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ है।

खासतौर पर रघुकुल मार्केट में समुद्री पानी घुस गया था और अब यह मार्केट धोबीघाट जैसी दिखाई दे रही है, क्योंकि दुकानों में पानी भरने से हजारों की संख्या में साड़ियां भीग गईं। अब व्यापारी इन्हें रस्सियों पर टांगकर और पंखों से सुखा रहे हैं।

आगामी त्योहारों को ध्यान में रखते हुए व्यापारियों ने पहले से स्टॉक जमा कर लिया था, लेकिन बीते सोमवार को हुई भारी बारिश और खाड़ीपूर की वजह से उनकी सारी मेहनत पानी में बह गई।

सूरत के कई इलाकों में भारी जलभराव हो गया, जिसमें खाड़ी किनारे की कई टेक्सटाइल मार्केट पूरी तरह प्रभावित हुईं। खासकर ग्राउंड फ्लोर और बेसमेंट में पानी भरने से माल खराब हो गया।

गरनाळा के पास स्थित रघुकुल मार्केट सहित कई दुकानों में साड़ियां पानी में भीग गई हैं, जिससे अब व्यापारियों को मजबूरी में इन साड़ियों को 35 से 50 रुपए प्रति किलो के भाव से बेचना पड़ रहा है।

व्यापारी साड़ियों को सुखाने के लिए दुकानों के बाहर रस्सियां और पंखे लगाकर स्टॉक को सूखा रहे हैं। एक किलो में औसतन 3 साड़ियां होती हैं, जिनकी कीमत सामान्यत: 100 से लेकर 2000 रुपए तक होती है, लेकिन अब उन्हें बेहद कम दाम में लॉटवालों को बेचना पड़ रहा है।

रघुकुल मार्केट के व्यापारी राजूभाई गुप्ता ने बताया कि मार्केट के पास ही खाड़ी स्थित है और खाड़ी का पानी बैकफ्लो होकर आसपास की सड़कों पर भर गया।

अमरनाथ में 27 वर्षों से चल रहा है गुजराती भंडारा, सूरत की संस्था कश्मीर के महामंडलेश्वर के साथ कर रही है सेवा यज्ञ

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

जम्मू-कश्मीर में 3 जुलाई से अमरनाथ यात्रा की शुरुआत हो रही है। भारत की प्रमुख तीर्थ यात्राओं में शामिल अमरनाथ यात्रा के दौरान भक्तों की सुविधा के लिए देशभर की कई संस्थाएं भंडारे लगाती हैं। लेकिन गुजराती भोजन के स्वाद के शौकीनों को घर जैसा खाना मिल सके, इसके लिए सूरत की एक संस्था पिछले 27 वर्षों से कश्मीर में प्राचीन भंडारे के साथ मिलकर गुजराती यात्रियों के लिए विशेष भंडारा चला रही है।

दो दिवसीय श्रृंगार उत्सव का हुआ समापन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल विकास ट्रस्ट महिला शाखा द्वारा आयोजित दो दिवसीय श्रृंगार उत्सव का बुधवार को समान हुआ। महिला शाखा की अध्यक्षा सोनिया गोयल ने बताया कि प्रदर्शनी में आगामी त्योहारों को देखते हुए फैंसी राखियाँ, ज्वैलरी, लड्डू गोपाल की पोसाख, गिफ्ट आइटम, सजावट का सामान की स्टाल लगी एवं इसमें बच्चों के लिए अलग से फ्री प्ले जोन, महिलाओं के लिए फ्री वर्कशॉप, हर घंटे लक्की ड्रॉ, फ़ूड कोर्ट आदि भी रहें। आयोजन में सूरत के अलावा मुंबई, कोलकाता, अहमदाबाद, जयपुर, वडोदरा सहित अनेकों शहरों से महिला ऊधमियों ने हिस्सा लिया।

श्रृंगार उत्सव में दिव्यांग बच्चों द्वारा निर्मित पेपर बैग आकर्षण का केंद्र रहें।

दो दिवसीय श्रृंगार उत्सव में दस हज़ार के लगभग लोगों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर महिला शाखा की अनेकों सदस्या उपस्थित रहीं।